रखे सब की खबर.....

R.N.I. No.UPHIN/2012/43069

अमर ज्वाला

Email: amarjwala2012@gmail.com, amarjwala2012@yahoo.com

वर्षः 01 अंकः 43, सहारनपुर, शनिवार, 09 फरवरी , 2013 सहारनपुर से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक पृष्ठः 08 मूल्य : ₹02 रूपये

अखिलेश ने किया अपने मंत्रिमंडल का पहला विस्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरूवार को अपने मंत्रिमंडल का पहला विस्तार करते हुये एक कैबिनेट मंत्री एक स्वतंत्र प्रभार व दस राज्यमंत्रिय शामिल किया गया है। इस विस्तार में मंत्रिमंडल में कुछ नये चेहरे शामिल हुये है। मंत्रिमंडल का विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब 14 फरवरी से प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र आहूत है। राज्यपाल बीएल जोशी ने राजभवन के मुख्य सभागार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव, स्वास्थ्य मंत्री अहमद हसन तथा कुछ अन्य वरिष्ठ मंत्रियों की मौजूदगी में नये मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। इस मंत्रिमण्डल विस्तार में युवाओं को तरजीह दी गयी है।लगभग एक साल पुराने अखिलेश मंत्रिमंडल में शामिल किये गये मंत्रियों में सबसे वरिष्ठ हैं राजेन्द्र चौधरी जोकि समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता भी हैं। उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वह विधान परिषद के सदस्य हैं। विजय कुमार मिश्रा स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री बनाये गये हैं। उनकी

पहचान बाहुबली नेता के रूप में की जाती है। वह गाजीपुर से पहली बार विधायक बने हैं। जिन लोगों को राज्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी उनमें राममूर्ति सिंह वर्मा, विनोद कुमार, विजय बहादुर पाल, आलोक कुमार शाक्य, राम सकल, मनोज कुमार पांडे, नितिन अग्रवाल, पवन पांडे और योगेश प्रताप सिंह, गायत्री प्रसाद प्रजापति प्रमुख रहे। इनमें पवन पांडे अयोध्या से पहली बार जीते हैं उन्होंने भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह से यह प्रतिष्ठित सीट छीनी थी। गायत्री प्रसाद अमेठी से चुनाव जीते हैं जबकि नितिन अग्रवाल सपा के वरिष्ठ नेता नरेश अग्रवाल के बेटे हैं। मंत्रिमंडल के इस विस्तार में सामाजिक समीकरणों का पूरी तरह ध्यान रखा गया है। विस्तार में सर्वर्णों तथा पिछड़ों पर खास ध्यान दिया गया है इनमें अधिकांश विधायक ऐसे हैं जोकि पहली बार चुनाव जीते हैं। इसके साथ ही अखिलेश यादव सरकार के मंत्रिमण्डल की सदस्य संख्या बढ़कर 58 हो गयी है। मंत्रिमण्डल में सदन की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत के बराबर मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है कुल 403 सदस्यीय सदन के हिसाब से अखिलेश सरकार के मंत्रिमण्डल में 60 मंत्री हो सकते हैं। इसके पूर्व गत 15 मार्च को मुख्यमंत्री समेत 48 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। उनमें से खेल मंत्री कामेश्वर उपाध्याय का निधन हो गया है जबकि राजस्व राज्यमंत्री विनोद कुमार उर्फ पंडित सिंह से गोंडा के मुख्य चिकित्साधिकारी को धमकाने के आरोपों के कारण इस्तीफा ले लिया गया था। हालांकि पंडित सिंह को दोबारा मंत्रिमण्डल में शामिल कर लिया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार का चेहरा और छवि बदलने का प्रयास किया है क्योंकि सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव पिछले दिनों कह चुके हैं कि सरकार की छवि सही नहीं बन रही है गौरतलब है कि सपा ने राज्य के कुछ मंत्रियों को लोकसभा चुनावों में उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है।

तीन रेल लाइन परियोजनाओं को हरी झंड़ी

नई दिल्ली । रेलमंत्री पवन कुमार बंसल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने गुरूवार को 2,300 करोड़ रूपये से अधिक लागत वाली नई रेल लाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बंसल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी। हालांकि ये सभी परियोजनाएं पांच सालों में पूरी होगी। मंत्री ने कहा कि दो परियोजनाएं छत्तीसगढ़ के कोयला क्षेत्र में हैं, जो देश के पश्चिमी हिस्से में मांग को पूरा करने में मदद करेगी। तीसरी परियोजना गुजरात में है। 121 किलोमीटर पहली ब्रॉड गेज लाइन परियोजना दक्षिण पूर्व केंद्रीय रेलवे में गेवरा रोड और पेंड्रा रोड के बीच है, जिसपर 838 करोड़ रुखर्चा आएगा। वहीं दूसरी परियोजना रायगढ़ की कोयला पट्टी भूपदेवपुर से जोड़ेगी, जो 63 किलोमीटर लम्बी होगी और जिसपर 379 करोड़ रूपये खर्च होंगे। तीसरी परियोजना 247किमी. लम्बी होगी। इसके तहत गुजरात के कच्छ क्षेत्र में पालनपुर और समाखियाली के बीच ब्रॉड गेज लाइन का दोहरीकरण होगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना दिल्ली-मुम्बई समर्पित माल ढुलाई गलियारा से भी जुड़ी होगी और इससे माल ढुलाई के साथ याला सुविधा भी मिलेगी।

मध्यान्ह भोजन खाने से स्कूल के आधा दर्जन बच्चे बीमार

कानपुर। कानपुर के ग्रामीण क्षेत्र स्थित एक सरकारी प्राइमरी स्कूल में मिड डे मील खाने से आधा दर्जन छोटे बच्चों की हालत बिगड़ गई। बिगड़ने के बाद उल्टी दस्त होने से उन्हें सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया । इस मामले की जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। जिला प्रशासन के सूत्रों के अनुसार बैरीगांव के प्राइमरी स्कूल में 30 बच्चे पंजीकृत है जिसमें से कल 19 बच्चे स्कूल आये थे। उन्हें मिड डे मील में कढ़ी चावल दिया गया था खाना खाने के बाद शाम को बच्चे जब घर पहुचें तो उन्हें उल्टी दस्त होने लगे और उनकी तबियत खराब हो गयी। बच्चों के परिजनों ने उन्हें देर शाम गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया जहां अब उनकी हालत में सुधार है अस्पताल में भर्ती बच्चों में नेहा (6), आदेश (7), रामा (5), ज्योति (6), विपिन (7), तथा अंशिका (6) को भर्ती करवा गया है । बच्चों के परिजनों ने मिड डे मील खाने के बाद बच्चों की तबियत खराब होने का आरोप लगाया है । बच्चों की स्थिति में अब सुधार है । शिक्षा विभाग के डीआईओएस कोमल यादव के अनुसार मिड डे मील से बच्चों के बीमार होने के बारे में उन्हें जानकारी मिली है। मामले की जांच के आदेश दे दिये गये है ।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को फटकारा

नई दिल्ली। बाबरी ढांचा ढहाने के मामले में सुप्रमी कोर्ट ने 19 लोगों के खिलाफ साजिश रचने का आरोप निरस्त करने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने में हुई देरी पर सीबीआई को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने मामले में सीबीआई को अतिरिक्त शपथ पत्र दाखिल करने के लिए और समय देने से इन्कार करते हुए कहा कि वह विशेष अदालत और हाई कोर्ट के रिकॉर्ड पर ही सुनवाई करेगी। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में ताजा हलफनामा दाखिल किए जाने संबंधी सीबीआई की अपील को ठुकरा दिया। मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को होगी। शीर्ष अदालत ने बाबरी मस्जिद गिराने की घटना को राष्ट्रीय अपराध बताने पर को लिया हाथ भी लिया और कहा कि हमारे या निचली अदालत द्वारा इस तरह का या अन्य प्रकार का निर्णय सुनाये जाने तक आप इसे राष्ट्रीय अपराध नहीं कह सकते। गौरतलब है कि सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट से ढांचा ढहाए जाने की साजिश रचने मामले में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की है। इससे पहले हाई कोर्ट ने सभी आरोपियों के खिलाफ साजिश का आरोप निरस्त करने के निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया था। इसके बाद सीबीआई ने फैसले को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी थी।

शिशु मृत्यु के खिलाफ लड़ेगा भारत

चेन्नई । 'इंडियाज कॉल टू एक्शन-चाइल्ड सर्वाइवल एंड डेवलपमेंट समिट' का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री गुलाम नबी आजाद ने कहा है कि बच्चों की मौत के खिलाफ भारत अग्रिम मोर्चे पर रहेगा। हालांकि यह सुनिश्चित किया जाऐगा कि रोकथाम के लायक बीमारियों से किसी बच्चे की असमय मृत्यु नहीं होने पाए। यहां से करीब 70 किलोमीटर दूर मामल्लापुरम में 'इंडियाज कॉल टू एक्शन-चाइल्ड सर्वाइवल एंड डेवलपमेंट समिट' का उद्घाटन करते हुए, आजाद ने कहा कि यदि हम पोलियो के खिलाफ युद्ध जीत सकते हैं तो हम निश्चितरूप से शिशु मृत्यु के खिलाफ युद्ध भी जीत सकते हैं। तीन दिनों तक चलने वाले स्वास्थ्य सम्मेलन का आयोजन केंद्र सरकार ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ) और अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी (यूएसएआईडी) की साझेदारी से कर रहा है।

मुंबई में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा, तीन की मौत

मुंबई । बीती रात मुंबई के अंधेरी इलाके में स्थित सहार रोड और न्यू सहार एयरपोर्ट को जोड़ने वाले पुल का एक हिस्सा गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में चार मजदूरों के गंभीर रूप से घायल होने की भी खबर है। हादसा बुधवार की रात करीब 10.30 बजे हुआ। यह हादसा मुंबई× इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास हुआ। यह फ्लाईओवर पुल एयरपोर्ट तक जाने के लिए बन रहा था। घायलों को कूपर और देसाई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक पुल पर सीमेंट से बने एक हिस्से को जोड़ा जा रहा था, लेकिन सीमेंट के स्लैब को जोड़ते वक्त मशीन का लॉक टूट गया और इसकी वजह से सीमेंट का भारी भरकम स्लैब जमीन पर आ गिरा। इसकी वजह से जो लोग खड़े थे वो मलबे के नीचे ही दब गए। दमकल विभाग ने खबर मिलते ही मौके पर पहुंच कर बचाव का काम शुरू कर दिया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। मलबे में दबे 3 लोगों ने दम तोड़ दिया जबकि 4 लोग बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही मुंबई के महापौर सुनील प्रभु भी मौके पर पहुंच गए और हालात का जायजा लिया।

दरअसल ये पुल एमएमआरडीए के एलिवेटेड एक्सेस रोड प्रोजेक्ट के तहत बन रहा था। लगभग 2 किलोमीटर लंबे इस फ्लाइओवर को 287 करोड़ रुपयों की लागत से बनाया जा रहा है। पुल को वैसे तो पिछले साल ही तैयार हो जाना था लेकिन 3 बार इसकी डेडलाइन बढ़ानी पड़ी। आखिर में सितंबर 2013 का वक्त तय किया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जल्दबाजी में लापरवाही बरतने की वजह से ये हादसा हुआ। गनीमत यह रही कि जहां यह हादसा हुआ वहां गाड़ियों की आवाजाही ना के बराबर होती है। उधर सहार पुलिस ने इंजीनियर और सुपरवायजर के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

'सरप्राइज सेक्स' का मामला पहुंचा थाने

मुंबई। भारतीय मूल की कनाडाई पोर्न स्टार सनी लियोन और अभिनेता कमाल आर.खान (केआरके) के बीच कानूनी लड़ाई अब पुलिस थाने तक पहुंच गई है। दरअसल सनी लियोन ने रेप पर एक विवादास्पद टिप्पणी को उनकी बताने के लिए कमाल के खिलाफ मुंबई पुलिस के साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेल में शिकायत दर्ज कराई है। कुछ दिन पहले सनी लियोन ने कथित रूप से बलात्कार पर विवादास्पद टिप्पणी ट्वीट की थी, बाद में उन्होंने अकाउंट हैक किए जाने की बात कहते हुए टिप्पणी से इनकार कर दिया था। उधर, कमाल ने ट्वीट किया, 'ये लो...सनी लियोन कहती हैं कि रेप क्राइम नहीं, सरप्राइज सेक्स है।' इस पर लियोन ने कहा, 'अक्सर मैं इस शख्स के ट्वीट को नजरअंदाज कर देती, लेकिन यह मुद्दा बन गया। मैं संवेदनहीन नहीं हूं। दिल्ली गैंगरेप के बाद देश में जो हालात हैं उन्हें देखते हुए एक महिला होने के नाते मैं बलात्कार पर घटिया टिप्पणी नहीं कर सकती।' सनी ने कमाल की आलोचना करते हुए कहा, 'इसका मजाक बनाना घिनौनी हरकत है। मैं इस शख्स की गलत, संवेदनहीन टिप्पणी और झूठे आरोपों की कड़ी निंदा करती हूं।' मालूम हो कि बिग बॉस में हिस्सा ले चुके कमाल अपने ट्विटर पेज पर भड़काऊ टिप्पणियां करने के लिए बदनाम हैं। वह पिछले कुछ वक्त से सनी लियोनी के खिलाफ ट्वीट कर रहे हैं। उन्होंने वर्सोवा पुलिस थाने में सनी के खिलाफ काउंटर केस करने का दावा किया है। खान ने कहा, 'मेरे वकील सनी लियोन के खिलाफ दिल्ली और मुंबई में केस दायर करने की तैयारी कर रहे हैं इसलिए इंतजार कीजिए। मैं आपसे सनी लियोन को भारत से जल्द ही डिपोर्ट कराने का वादा करता हूं।

गुजरात में भाजपा कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले के किसानवाडी इलाके में कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने 38 वर्षीय भाजपा कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि किशोर गोडाडी पर रात हमलावरों ने हमला किया। यह हमला क्षेत्र के भाजपा पार्षद हितेन्द्र पटेल के घर के समीप किया गया। गोडाडी को अस्पताल पहुंचाने वाले पटेल ने बताया कि हमलावरों ने उन पर कई बार गोली चलायी और उनका गला जख्मी हो गया। अस्पताल में गोडाडी को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि पटेल द्वारा अपने घर पर आयोजित स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेने के बाद गोडाडी के मोटरसाइकिल से घर लौटने के दौरान यह हमला हुआ। पुलिस आयुक्त सतीश शर्मा ने बताया कि हम लोगों को उम्मीद है कि इस अपराध में कई लोग शामिल हैं और जल्द ही कोई सुराग सामने आने की उम्मीद है। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। गोडाडी कुछ समय के लिए विश्व हिंदू परिषद् और बजरंग दल में भी शामिल रहे थे।

सड़क दुर्घटना में आठ की मौत, 20 घायल

रांची। झारखंड के हजारीबाग जिले में आज सुबह हुई एक सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गयी, जबकि 20 अन्य लोग घायल हो गये।घटना के संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बड़कागांव से दो दर्जन से अधिक मजदूर एक मिनी बस पर सवार होकर हजारीबाग जा रहे थे, तभी हजारीबाग-बड़कागांव पथ पर बोकारो पुल के निकट यह हादसा हुआ। हादसे में सात लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी, जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत इलाज के लिए अस्पताल लाने के क्रम में हो गयी। बताया गया है कि वाहन पर सवार सभी लोग मजदूर वर्ग के थे और वे काम के सिलसिले में बड़कागांव से हजारीबाग आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दुर्घटना का कारण चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो देना था। तेज गति से आ रहे वाहन के पलट जाने से उस पर सवार एक महिला समेत सात लोगों मौत मौके पर ही हो गयी।दुर्घटना में सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया,जहां से गंभीर रूप से घायल सात लोगों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स,रांची रेफर किया गया है। जबकि एक दर्जन अन्य घायलों का उपचार हजारीबाग सदर अस्पताल में चल रहा है। दूसरी तरफ प्रशासन की ओर से तत्काल सहायता के रूप में मृतकों के परिजनों को पांच-पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है, जबकि मृतकों के श्रीपीएल सूची में रहने पर उनके परिजनों को 15-15 हजार रुपये का भुगतान किया जाएगा और मजदूरों का बीमा हुआ होगा, तो उनके परिजनों को डेढ़ लाख रुपये की सहायता मिल पाएगी।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने मोदी को बताया दोस्त

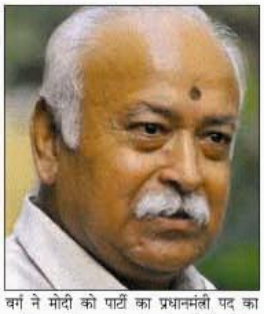

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताया है, लेकिन मोदी को भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश करने की संभावना के बारे में पूछे गए सवालों को टालते हुए उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक व्यक्ति नहीं हैं। भागवत से जब पूछा गया कि वह मोदी के बारे में क्या सोचते हैं तो उनका जवाब था वह मेरे दोस्त हैं। यह पूछे जाने पर कि गुजरात के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश करने की मांग का क्या वह समर्थन करेंगे, संघ प्रमुख ने कहा मैं एक राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं, यहां राजनीतिक दौरे पर नहीं आया हूं। माना जाता है कि वह यहां संघ परिवार के संगठन विश्व हिन्दू परिषद की धर्म संसद में शामिल होंगे। भाजपा नेताओं के एक वर्ग ने मोदी को पार्टी का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की मांग की है। विहिप नेता अशोक सिंघल ने कहा था कि गुजरात के मुख्यमंत्री की लोकप्रियता वैसी ही है, जैसी प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की थी। बहरहाल, विहिप के वरिष्ठ नेता प्रवीण तोगड़िया ने इन सवालों को टाल दिया था कि क्या विहिप मोदी को भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश करने के लिए जोर दे सकता है। उन्होंने कहा था कि मैं सिर्फ कहूंगा कि विहिप हिन्दुओं को वह हासिल कराने में मदद के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके वे हकदार हैं। मोदी को सिंघल द्वारा हिन्दू हृदय सम्राट बताए जाने के बारे में तोगड़िया ने कहा था हम सामूहिक कार्य कर रहे हैं। यह समय किसी को निजी तौर पर पसंद या नापसंद करने का नहीं है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अयोध्या में राम मंदिर बनाने के विहिप के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि मंदिर का निर्माण भारतीय पहचान को स्थापित करने जैसा है।

त्रिपुरा में जाली मोबाइल सिम कार्ड बरामद, 3 गिरफ्तार

अगरतला। चुनाव से एक सप्ताह पूर्व पुलिस कार्रवाई में उत्तरी त्रिपुरा में पुलिस ने 1,100 से ज्यादा जाली सिम कार्ड जब्त किए हैं और इस सम्बंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी द्वारा दी जानकारी के अनुसार असम से सटे त्रिपुरा के धर्मनगर में एक वाहन से 200 से ज्यादा मोबाइल फोन सिम कार्ड बुधवार रात बरामद किए गए। उन्होंने कहा, वाहन चालक और अन्य याली दक्षिणी असम के निवासी हैं जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इस बीच, नकली दस्तावेज के साथ इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य 900 जाली सिम कार्ड उत्तरी त्रिपुरा के व्यवसायिक केंद्र धर्मनगर की एक दुकान से बुधवार को बरामद किए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 60 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा के लिए चुनाव में 14 फरवरी को मतदान होना है। मतों की गिनती 28 फरवरी को होगी।

युवती ने बाल विवाह को नकारा, किया प्रेमविवाह

जोधपुर। राजस्थान की युवती ने सामाजिक कुप्रथाओं से लड़कर अपने जीवन की नयी शुरुआत करने का साहस भरा कदम उठाया है। राजस्थान की लक्ष्मी सरगारा बालविवाह का विरोध करते हुए अतीत को भुलाकर अपने लिया नया जीवन साथी ढूंढ लिया है। राजस्थान में बाल विवाह की शिकार हुई लक्ष्मी सरगारा तब सुर्खियों में आई थी, जब उन्होंने अपने बाल विवाह को मानने से इनकार कर दिया था। अब लक्ष्मी 19 साल की हो गई है और 23 साल के महेंद्र सरगार से प्रेम विवाह किया है। लक्ष्मी अब बेहद खुश हैं। अपने बाल विवाह को नकार कर उन्होंने बालिग होने पर फिर से शादी की है। उनका यह इनकार तब ऐतिहासिक बन गया जब कोर्ट ने भी उनके अधिकारों की रक्षा करते हुए बचपन में की गई उनकी शादी को अमान्य करार दिया। यह भारत के इतिहास में पहला मौका था जब किसी कोर्ट ने बाल विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था। लक्ष्मी की शादी उसके समाज की परंपराओं के अनुसार एक साल की उम्र में ही कर दी गई थी। तब उसके दूल्हे की उम्र केवल 3 साल की थी। जब लक्ष्मी बड़ी हुई और उन्हें इस शादी के बारे में पता चला तो उन्होंने इसे मानने से इनकार कर दिया। घर परिवार और पूरी जमात में उनकी खूब निंदा की गई। लेकिन वह इस कुरीति से जीती और आज केवल वह ही नहीं उनके माता-पिता और दोस्त भी उनकी नई जिन्दगी को लेकर बहुत खुश हैं। लक्ष्मी कहती है, 'मेरा पहला विवाह मेरी मर्जी के खिलाफ किया गया था। मैं इससे बहुत नाराज थी। लेकिन अब मैं खुश हूं। मैं अपने अतीत से दूर निकल आई हूं और मेरा भविष्य मेरे सामने है।' लक्ष्मी को जब पता चला कि उसका विवाह बचपन में ही हो चुका है तो वह भाग कर सारथी ट्रस्ट नामक सामाजिक संस्था के पास पहुंच गई। संस्था ने उसके बाल विवाह को शून्य करार करवाने में उसकी सहायता की। लक्ष्मी देशभर की बाल वधुओं के लिए आशा की एक किरण बनकर सामने आयी है।

वसुंधरा का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

जयपुर/भिवाड़ी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद वसुंधरा राजे का जोरदार स्वागत किया गया। वसुंधरा का सुबह साढ़े दस बजे शाहजहांपुर बॉर्डर पर भाजपा नेता गुलाबचंद कटारिया,अरुण चतुर्वेदी एवं विधायकों ने जबरदस्त स्वागत किया। इससे पहले वे सवा नौ बजे भिवाड़ी से खाना हुई। भिवाड़ी सामुदायिक केंद्र में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व मंत्री दिगंबर सिंह,पूर्व एमएलए जगत सिंह सहित अन्य नेता भी उपस्थित थे। इसके बाद राजे का काफिला कापडिवास में रुका जहां सुभाष् महरिया और कालीचरण सर्राफ ने कार्यकर्ताओं के साथ उनकी अगवानी की। शाहजहांपुर में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों व विधायकों ने राजे का स्वागत किया। जहां वसुंधरा ने समर्थकों को संबोधित भी किया।

थाने में दुष्कर्म, एक पुलिसकर्मी गिरफ्तार

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के एसआर पुरम पुलिस थाने में एक किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में एक कांस्टेबल को बंदी बनाया गया है, जबकि एक सब-इंस्पेक्टर सहित तीन पुलिसकर्मी निलंबित कर दिए गए हैं। बताया जाता है कि पीड़िता दलित समुदाय से संबंध रखती है। पुलिस का कहना है कि घटना की उच्च-स्तरीय जांच की जा रही है और यहां से 70 किलोमीटर दूर चित्तूर सरकारी अस्पताल में भर्ती पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट आज शाम या कल मिल जाएगी। उनका कहना है कि एक सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल को कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि एसआर पुरम के निकट एक स्थानीय अदालत में पेश किए जाने के बाद कांस्टेबल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । चित्तूर जिले के पुलिस अधीक्षक के सामने कल दायर की गयी याचिका में एक दलित नेता का कहना है कि दो फरवरी को घर से भागने के एक मामले के सिलसिले में लड़की को गांव से पुलिस थाने लाया गया था, उसे रात में थाने में ही रखा गया था। याचिका में कहा गया कि जब अगले दिन लड़की के माता-पिता थाने में आए तो लड़की ने उन्हें बताया कि कांस्टेबल ने उससे बलात्कार किया।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय आवास बैंक के अध्यक्ष आर वी वर्मा ने राष्ट्रीय आवास बैंक की वार्षिक रिपोर्ट को जारी किया।

मुख्यमंत्री ने किया दागी को मंत्री बनाने का बचाव

रिपोर्ट आने से पहले किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

लखनऊ। सूबे के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गोंडा के मुख्य चिकित्साधिकारी के अपहरण तथा धमकी देने के मामले में आरोपी विनोद कुमार उर्फ पंडित सिंह को आज राज्य मंत्रिमण्डल विस्तार के दौरान दोबारा राज्यमंत्री बनाये जाने का बचाव करते हुए कहा कि जांच रिपोर्ट आने से पहले किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अखिलेश ने मंत्रिमण्डल विस्तार के तहत नये मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के बाद कहा कि पंडित सिंह को दोबारा मंत्री बनाये जाने के औचित्य सम्बन्धी सवाल पर कहा गोंडा के मुख्य चिकित्साधिकारी प्रकरण की जांच अभी चल रही है। दोषी साबित होने से पहले कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा जो गलती होगी वह सामने आयेगा.कोई बात छुप नहीं सकती। यह सही है कि जिस तरह का मामला था उसमें रिपोर्ट आयी है। उस पर बाद में आपसे चर्चा भी करेंगे। रिपोर्ट देखे बिना कुछ नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि अखिलेश यादव सरकार के मंत्रिमण्डल के पहले विस्तार के तहत आज गोंडा से विधायक विनोद कुमार उर्फ पंडित सिंह को भी शामिल किया गया है। उस वक्त राजस्व राज्यमंत्री रहे सिंह पर गत अक्तूबर माह में आयुष डॉक्टरों की सूची में चहेतों का नाम शामिल करने से इनकार पर गोंडा के मुख्य चिकित्साधिकारी एसपी सिंह को अपहृत करने तथा धमकाने का आरोप लगा था। दबाव बढ़ने पर सरकार ने पंडित सिंह से इस्तीफा ले लिया था। सिंह को गोंडा की ताकतवर ठाकुर बिरादरी का प्रतिनिधि माना जाता है। मुख्यमंत्री ने पशु तस्करों की मदद करने के आरोपों में फंसे गन्ना शोध संस्थान के नवमनोनीत उपाध्यक्ष केसी पाण्डेय का भी बचाव करते हुए कहा इस मामले में केसी पाण्डेय का जितना दोष बताया जा रहा है उतना है नहीं। कई बार लोग सिफारिश करने आते हैं। निर्णय तो सरकार और

यूपी में मासूम से बर्बरता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर पुलिस का बर्बर चेहरा सामने आया है। यहां एक बच्चे को करेंट लगाया गया और जूतों से पीटा गया। बच्चे के अनुसार वह मंदिर गया था। लेकिन चोर बताकर पकड़ा और घर ले गये। पुलिस ने मुझे हवालात में बंद किया और रात भर मारा और चोरों का पता पूछते रहे। फिर उन्होंने मेरे कान पर बिजली के तार लपेटे और करंट देने लगे। पहले 8-10 बार करंट दिया। मैं चिल्लाता रहा, रोता रहा, वो नहीं रुके। उन्होंने मुझे काफी देर तक करंट दिया और जूतों से मारा।'यह दर्दनाक कहानी साढ़े पांच साल के उस मासूम की है, जिसे लखनऊ पुलिस ने चोरी के इल्जाम में पकड़कर अमानवीय यातनाएं दीं। वाकया आलमबाग के विजयनगर का है और यह भयानक करतूत कृष्णानगर पुलिस की है। मासूम अब भी सदमे में है। बुधवार को उसे किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया, जहां उसकी हालत देख बोर्ड ने उसे तत्काल जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। घटना के बाद से परिवार सहमा हुआ, सदमे में है।कृष्णानगर पुलिस ने दो फरवरी को क्षेत्र में हुई एक चोरी के इल्जाम में कक्षा एक में पढ़ रहे सुदीप (नाम परिवर्तित) को गिरफ्तार किया। सुदीप के पिता बताते हैं कि कुछ लोगघर में सुदीप को लेकर आए और यह कहते हुए फिर उठाकर पुलिस के पास ले गए कि उसने चोरी की है। वे उस रात डेढ़ बजे तक कृष्णानगर पुलिस थाने में अपने बच्चे से मिलने के लिए बैठे रहे लेकिन उन्हें बच्चे से मिलने नहीं दिया। वे बाहर बैठे रहे और अंदर उनके कलेजे के टुकड़े को पुलिस वाले बुरी तरह पीट रहे थे। उसकी चीखें पिता बर्दाश्त न कर सके और पुलिस वालों के सामने गिड़गिड़ाने लगे। पुलिस ने उनकी एक न सुनी और वहां से भगा दिया।अगले दिन उन्होंने वकील से संपर्प किया और चालान कटवा कर सुदीप को घर लाए। इस दौरान पाया कि उसकी जैकेट खून से सनी हुई है, कनपटी से खून रिस रहा है। उससे चला नहीं जा रहा था। सुदीप के माता-पिता रोते हुए बताते हैं कि उनके बच्चे ने चोरी नहीं की है। पुलिस अब भी उन्हें तंग कर रही है।वहीं कृष्णानगर थाने के इंस्पेक्टर रामसनेही यादव का कहना है कि नागरिकों ने दो फरवरी की रात सुदीप को एक समारोह में चोरी करते पकड़ा था।

महिला कलेक्टर की खूबसूरती की तारीफ करना पड़ा महंगा, विवादों में घिरे मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राजा राम पांडेय को एक वरिष्ठ महिला आइएएस अधिकारी की खूबसूरती की तारीफ करना महंगा पड़ गया। महिला अधिकारी की तारीफ के चलते मंत्री विवादों के घेरे में आ गए हैं। यह मामला सुल्तानपुर का है। मंत्री की इस हरकत से लोगों में पार्टी और सरकार को लेकर गलत संदेश गया है। गौरतलब है कि इन दिनों सपा सरकार के कई मंत्री अपने काम को लेकर तो नहीं लेकिन बयानों को लेकर जरूर चर्चा में हैं।राजा राम पांडेय सुल्तानपुर के कमला नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में बेरोजगारों को चेक बांटने आए थे। चेक बांटते-बांटते वह जिले की कलक्टर की खूबसूरती का बखान करने लग गए। मंत्री जी ने महिला कलक्टर धनलक्ष्मी की खूबसूरती की प्रशंसा की झड़ी लगा दी। इसके साथ ही उन्होंने जिले की पूर्व और वर्तमान कलक्टर की खूबसूरती की तुलना भी कर दी। गौरतलब है कि इस दौरान कलक्टर खुद वहां मौजूद थीं। सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंत्री जी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं दूसरी बार इस जिले का प्रभारी मंत्री बना हूं और हर बार खूबसूरत कलक्टर के साथ काम करने का मौका मिला है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार पांडेय ने कहा कि जिले की पूर्व डीएम कामिनी चौहान रतन को जब मैंने देखा तो लगा कि उनसे खूबसूरत महिला हो ही नहीं सकती, लेकिन यह नई कलक्टर धनलक्ष्मी, तो उनसे भी खूबसूरत हैं और इनके बात करने का लहजा भी सराहनीय है। हालांकि, इसके बाद उन्होंने यह भी कहा कि धनलक्ष्मी न सिर्फ खूबसूरत हैं, बल्कि एक अच्छी प्रशासक भी हैं। मंत्री की बातें सुनकर समारोह में भले ही हंसी-ठहाके गूंजे हों, लेकिन इस दौरान कलक्टर साहिबा असहज दिखीं।

मोदी हो पीएम, तभी बन पाएगा मंदिर

धर्म संसद में संत बोले,मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए

इलाहाबाद । महाकुंभ में गुरुवार को हिंदू संतों ने गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए भाजपा की ओर से उम्मीदवार बनाये जाने की मांग करते हुए कहा कि पार्टी के इस पहल से ही उसे बहुमत मिलेगा। संतों ने नरेंद्र मोदी को अपना समर्थन देने का ऐलान करते हुए कहा कि वे मोदी के लिए प्रचार करेंगे। इतना ही नहीं विश्व हिंदू परिषद ड्विहिप शिविर के बाहर मोदी के समर्थन में नारे भी लगे। महाकुंभ में शुरू हुए विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की धर्म संसद में करीब 10 हजार साधु-संत हिस्सा ले रहे हैं। विहिप के महामंत्री प्रवीण तोगडिया ने समागम शुरू होने से पहले कहा था कि संतों के इस समागम में नरेंद्र मोदी को भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री उम्मीदवार घोषित किए जाने को लेकर चर्चा नहीं होगी। इस विराट समागम में हिंदुत्व, राम मंदिर, गौ रक्षा, आतंकवाद, बांग्लादेशी घुसपैठ और मठ मंदिरों के सरकारी अधिग्रहण पर गहन चर्चा की जाएगी। लेकिन धर्मसंसद शुरू होने के कुछ ही देर बाद मोदी के नाम को ले कर नारे लगाए गए। ये राम मंदिर बनाने को लेकर चर्चा कर रहे हैं। दो संतों ने मंच से मोदी को पीएम बनाने की मांग की। धर्म संसद के मंच से यह भी कहा गया कि अगर मोदी पीएम बनेंगे तभी राम मंदिर बनेगा। स्वामी चिन्मयानंद ने एनडीए के नेताओं से राम मंदिर का समर्थन करने की अपील की है। मोदी का नाम मंच से आते ही चारों तरफ बैठे कार्यकर्ताओं ने करीब पांच मिनट तक मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। संतों का कहना है कि मोदी के पीएम बनने के बाद ही अयोध्या में राम मंदिर बन सकेगा। विहिप ने मोदी का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने गुजरात में मुस्लिम बहुल इलाकों में मुसलमानों को टिकट दिए बिना भाजपा को जीत दिलवाई। संघ ने भी साफ किया है कि हिंदुत्व और राम मंदिर मुद्दे को छोड़ने के कारण 2004 और 2009 के चुनाव में भाजपा की न तो सीटें बढ़ी और न सहयोगी बढ़े। लिहाजा अब पार्टी के लिए अपनी मूल विचारधारा को गले लगाने का वक्त आ गया है। इससे पहले विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष अशोक सिंघल ने एक बार फिर से राम मंदिर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जैसा आन्दोलन देश के लोगों ने स्वराज के लिए किया था उसी तरह का आन्दोलन देश के हिन्दुओं को राम मंदिर के लिए करना होगा। उन्होंने कहा कि जब भी वह राम लाला को टेंट में देखते हैं उन्हे सबसे ज्याद दुःख होता है। धर्म संसद स्थल के बाहर और मंच पर मोदी के नाम के नारे लगाए गए। मंच पर प्रवीण तोगड़िया, अशोक सिंघल, चंपक राय, शंकराचार्य श्री वाशुदेवानंद सरस्वती, कांची कामकोटी के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती और योगी आदित्यनाथ सहित बड़ी संख्या में साधु-संत एकत्रित हैं। मोदी के समर्थन में गिरिराज किशोर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेताओं ने गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य के मुस्लिम बहुल इलाकों तक में जीत दिलाने के आधार पर देश में हिंदुत्व का सबसे बड़ा प्रतीक बताया है। विहिप के संरक्षक मंडल के सदस्य आचार्य गिरिराज किशोर ने कहा कि मोदी पीएम पद के लिए ??हर तरह से फिट है।

अल्पसंख्यक जागरूकता महासम्मेलन तीन को

लखनऊ । समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के तत्वावधान में तीन मार्च को अल्पसंख्यक जागरूकता महासम्मेलन झूलेलाल पार्प में होगा। महासम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा के लिए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष व मंत्री हाजी रियाज अहमद की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें महासम्मेलन की सफलता के लिए जिलेवार प्रभारी बनाये गये। जिन्हें सम्मेलन में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों को लाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये गये। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष हाजी रियाज अहमद ने कहा कि महासम्मेलन अल्पंख्यकों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से राज्य की सपा सरकार की ओर से अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी आम जनता तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि महासम्मेलन के आयोजन से अल्पंख्यकों में राजनीतिक चेतना भी जागृत होगी।

केंद्र सरकार सीबीआई और आयकर विभाग का कर रही दुरुपयोग : मुलायम

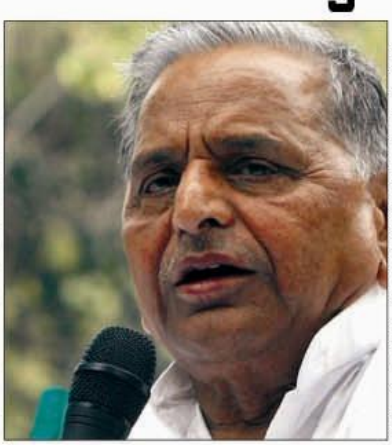

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने केंद्र सरकार और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस व केंद्र सरकार के पास सिर्फ दो मुद्दे हैं, सीबीआई के जरिये विपक्ष को धमकाना और इनकम टैक्स के बहाने आर्थिक आधार पर दबाव बनाना। दोनों एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। केन्द्र की कांग्रेस सरकार जनविरोधी है जिसके शासन में महंगाई, बेकारी और भ्रष्टाचार बढा है तथा किसान बर्बाद हुआ है। यादव ने एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि किसान को उसकी उपज का लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है और केन्द्र सरकार ने बहुत निराश किया है। उन्होंने कहा कि संसद के आगामी सत्र में केन्द्र का चुनावी बजट पेश होगा और उससे समर्थन वापसी पर सपा अपनी नीतियों के हिसाब से समयानुकूल निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि परमाणु समझौते पर केन्द्र सरकार को बचाने से उनकी पार्टी का नुकसान हुआ है और लोकसभा चुनाव व्यक्ति नहीं बल्कि मुद्दों के आधार पर होगा। तीसरा मोर्चा ताकतवर होकर उभरेगा और जनता चाहती है कि भाजपा तथा कांग्रेस दोनों से मुक्त मिले। उन्होंने कहा कि सपा का जनता के मुद्दों पर संघर्ष जारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दो ही मुद्दे हैं। एक सीबीआई के जरिए आर्थिक आधार पर विपक्ष को दबाने की कोशिश करना और आयकर के बहाने उसे धमकाना। मुलायम ने कहा कि राम मंदिर और हिन्दुत्व का मुद्दा अब चुनावी मुद्दा नहीं बन पाएगा।

सरकारी स्कूलों के छात्र मुफ्त देखेंगे आंचलिक विज्ञान नगरी

लखनऊ। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्र आंचलिक विज्ञान नगरी का मुत भ्रमण कर सकेंगे। प्रदेश भर के छात्र आंचलिक विज्ञान नगरी में विज्ञान संबंधित तथ्यों को देखकर लाभ ले सकते हैं। सरकारी स्कूलों के छात्रों का निश्शुल्क सुविधा उनमें विज्ञान के प्रति जागरूकता और ज्ञान लाने के लिए की जा रही है। आंचलिक विज्ञान नगरी के परियोजना समन्वयक उमेश कुमार ने बताया कि प्रदेश के 19 हजार सरकारी स्कूल के छात्रों का आंचलिक विज्ञान नगरी का मुत भ्रमण कराने का लक्ष्य है। नवबंर से अब तक लगभग तीन हजार सरकारी स्कूल के छात्र भ्रमण कर चुके हैं। 16 हजार छात्र और जाएंगे। उमेश कुमार ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम है। इसमें हिस्सा लेकर छात्र आंचलिक विज्ञान नगरी में बनें अंतर्जलीय अंवेषण, जैव प्रौद्योगिकी क्रांति, मानव आचरण, लोक प्रिय विज्ञान, मनोरंजन विज्ञान, द्रव विज्ञान जैसे अनेक दीर्घाओं को देखकर लाभ उठा सकते हैं। छात्रों को विज्ञान की रोचकता अनुभव कराने के लिए विशेष साईमैक्स प्रदर्शन अदभुत गुफाओं की यात्रा भी दिखाया जा रहा है।जिससे वह विज्ञान में रुचि ले सकें। श्री कुमार ने बताया कि पहले आओ और पहले पाओ के तर्ज पर पहले आने वाले स्कूलों के छात्रों को इसका लाभ दिया जाएगा।

संपादकीय

मोदी की लोकप्रियता को भुनाने की कवायद ?

भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता जिस तरह से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए पैरवी की होड़ में लगे हैं, उसकी पृष्ठभूमि में मोदी की लोकप्रियता को भुनाने की कवायद नजर आती है। जबकि पार्टी अध्यक्ष राजनाथ सिंह लोकसभा चुनाव के करीब सवा साल पहले किसी चेहरे को सामने लाने में सकुचा रहा है। इसीलिए उन्होंने अनुशासन का हवाला देते हुए बयानबाजी पर संयम बरतने की हिदायत पार्टी नेताओं को दी है। लेकिन इस हिदायत को चुनौती देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा बिहार के पूर्व भाजपा अध्यक्ष सीपी ठाकुर और सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी के तौर पर मोदी का नाम जनता के सामने रखने की मांग कर डाली। जाहिर है,जो नेता गठबंधन धर्म की खूबियों और खामियों से रूबरू है, वे भी मोदी का नाम पुरजोरी से उछाल रहे हैं। साफ है भाजपा में मोदी न केवल लोकप्रियता के शिखर पर है, बल्कि उनकी स्वीकार्यता भी निरंतर बढ़ रही है। भाजपाई शिवसेना और अकाली दल का राजग गठबंधन से साथ छोड़ देने की भी चिंता नहीं कर रहे हैं। दूसरी तरफ मोदी को संघ और संत समाज का भी प्रबल और मुखर समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है। जयपुर चिंतन शिविर में राहुल गांधी को सोनिया गांधी के बाद दूसरे प्रमुख नेता की हैसियत से नवाज दिए जाने के बावजूद युवाओं में उनके प्रति उत्साहजनक रूझान दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे अनुकूल माहौल में मोदी की लोकप्रियता को भाजपाई भुनाना चाहते हैं तो इसमें गलत क्या है ? वैसे तो लोकसभा चुनाव के सवा-डेढ़ साल पहले किसी भी दल में बतौर प्रधानमंत्री किसी नेता का चेहरा सामने लाना कोई तार्किक बात नहीं है। इस बाबत शरद यादव ने ठीक ही कहा है कि प्रधानमंत्री पद को लेकर इस तरह की जल्दबाजी या दीवानापन ठीक नहीं है। इसके बजाए भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व एफडीआई जैसे मुद्दों पर कारगर बहस होनी चाहिए। दरअसल, खासतौर से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया राजनीति में असमय गैर-जरूरी तलाश की प्रवृत्ति को पनपाने व उकसाने का काम कर रहा है। संभव है समाचार चैनलों को राहुल बनाम मोदी की प्रधानमंत्री पद से जुड़ी बहसें टीआरपी अच्छी दे रही हो ? लेकिन चैनलों को यहां यह भी गौर करने की जरूरत है कि लोकसभा चुनाव से पहले इसी फरवरी माह में पूर्वोत्तर के चार राज्यों और फिर अक्टूबर-नवंबर में कर्नाटक, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं, मीडिया इनकी भी खोज- खबर ले? यदि शीला दीक्षित वापस होती हैं तो यह उनकी लगातार चौथी जीत होगी। तब वे क्यों नहीं कांग्रेस बनाम संप्रग गठबंधन की प्रधानमंत्री हो सकती? मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ रमण सिंह तीसरी पारी खेलने में कामयाब होते हैं तो वे क्यों नहीं नरेंद्र मोदी की जगह ले सकते ? किंतु हकीकत यह है कि मीडिया ने मोदी से जुड़े प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष हर विवाद को बहस का मुद्दा बनाकर उनकी छवि के दो रूप गढ़ दिए। एक कि मोदी सांप्रदायिक हैं और प्रखर हिंदुत्व उनका प्रमुख अजेंडा है। दूसरे, मोदी विकास पुरूष हैं और गुजरात युवाओं को रोजगार देने की बड़ी आधार भूमि बन रही है। टाटा द्वारा गुजरात में नैनो कार का कारखाना लगाना और मोदी ने चुनाव में अपनी दम पर लगातार तीसरी पारी खेलकर उन पर जो गोधरा का कलंक लगा था, उसे रसातल में पहुंचा दिया। अब वही मोदी हैं और वही समाचार चैनल हैं जो एक समय उनकी कट्टर सांप्रदायिक छवि गढ़ रहे थे,किंतु अब तुलनात्मक दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री होने की छवि रच रहे हैं। ऐसे में यदि भाजपा या उसके चरित्र के अन्य सहयोगी संगठन, मोदी की लोकप्रियता को भुनाने की कवायद में लग गए हैं तो इस मुद्दे को गैर जरूरी मानकर क्यों हाशिए पर धकेला जाए ? मोदी का रास्ता प्रशस्त करने का काम तो मीडिया ही कर रहा है। भाजपा, संघ,विहिप,बंजरग दल और अन्य साधु समाज तो मीडिया की प्रधानमंत्री पद के लिए की खोज से महज कदमताल मिलाने का काम कर रहे हैं।मोदी को घोर सांप्रदायिक और मौत का सौदागार प्रचारित किए जाने के बावजूद जनता उन्हें लगातार चुन रही है,तो जाहिर है गुजरात की छह करोड़ जनता न तो उन्हें साप्रदायिक मानती है और न ही मौत का सौदागार। राजनाथ सिंह के अध्यक्ष बनने के बाद यह मोदी के व्यक्तित्व का ही मूल्यांकन और उससे उपजी अभिप्रेरणा है कि राजनाथ सिंह ने संघ और विहिप के नेताओं के साथ बैठक की और बाहर निकलकर पत्रकारों से बोले कि भाजपा को हिंदुत्व तथा राम मंदिर के मुद्दे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। राजनाथ सिंह को यह दिशा भी है, दृष्टि भी और दृढ़ता भी, जो नितिन गड़करी में नहीं थी। राजनाथ यदि हिंदुत्व और राम मंदिर के साथ रोजगार, विकास और भ्रष्टाचार से मुक्ति के उपाय का अजेंडा जोड़ने में कामयाब हो जाते हैं तो सांसदों की सबसे ज्यादा संख्या भाजपा की झोली में होगी। यह मंदिर मुद्दा ही था, जिसकी लहर पर सवार होकर भाजपा ने लोकसभा में अपने सांसदों की संख्या 2 से बढ़ाकर 89, फिर 110 और बाद में 150 तक पहुंचाई और फिर केंद्र में गठबंधन की सरकार भी चलाई। हालांकि भाजपा ने पिछले हरेक लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्र में राम मंदिर निर्माण का मुद्दा शामिल रखा है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, क्योंकि उसमें सुशासन, विकास और रोजगार के मुद्दों को गुजरात की तरह अहमियत नहीं दी गई थी। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को महज 18.8 प्रतिशत मत मिले थे, जबकि कांग्रेस ने 28.5 फीसदी वोट हासिल किए थे। वोट के करीब 10 फीसदी के इस अंतर को विकास का कोई विश्वसनीय अजेंडा शामिल किए बिना पाटना नामुमकिन है। भाजपा को यह अंतर पाटना, मौजूदा दौर में इसलिए भी संभव है, क्योंकि कांग्रेस गठबंधन इस समय मंहगाई और भ्रष्टाचार के महान संकटों से घिरा है और चुनाव आने तक इन संकटों से वह उबर पाएगा, यह संकेत राहुल गांधी के पार्टी में नंबर-दो हो जाने पर भी नहीं मिल रहे हैं।मोदी को भावी प्रधानमंत्री के रूप में पेश करने में भाजपा के सामने सबसे बड़ा संकट राजग गठबंधन बिखरने का है। क्योंकि मोदी का चेहरा सामने आते ही जद अलग होने की पहल कर सकता है। अभी तक राजग सुशासन बनाम भ्रष्टाचार के अजेंडे को लेकर एक गांठ में बंधे हैं। अकाली दल भी इसी अजेंडे के साथ है। हालांकि गठबंधन की राजनीति में घटक दलों की आवाजाही बनी रहती है। बीजद, तृणमूल कांग्रेस, तेलुगुदेशम, बसपा और सपा भी भाजपा गठबंधन के सहयोगी रहे हैं। इसलिए यदि केंद्र में राजग की संभावनाएं प्रबल होती हैं और एकाध घटक दल छिटकता है, तो चार के आने की उम्मीद भी बनी रहती है लिहाजा भाजपा को लगता है कि नरेंद्र मोदी ही श्रेष्ठ नेतृत्व देकर राजग गठबंधन की वैतरणी पार लगा सकते हैं तो भावी प्रधानमंत्री के रूप मोदी का नाम आगे लाने में उसे झिझकने की जरूरत नहीं है। राजनाथ जिस तरह से अपनी पिछली गलतियों से सबक लेकर फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रहे हैं, कमोबेश उसी तर्ज पर मोदी को आगे बढ़ने की जरूरत है।

राम भी नहीं चाहते मंदिर के लिए परेशान हों लोग : दिग्विजय

इलाहाबाद । उत्तरप्रदेश के इलाहाबाद में अपने आखिरी दौर में पहुंच रहा पुंभ आगामी चुनाव की रणनीतिक भूमि साबित होता जा रहा है। महापुंभ में आज जहां विश्व हिन्दू परिषद की धर्म संसद में में हिंदुत्व, राम मंदिर, गौ रक्षा, आतंकवाद, बांग्लादेशी घुसपैठ और मठ मंदिरों के सरकारी अधिग्रहण पर गहन चर्चा होने की संभावना है। इस धर्म संसद में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत धर्म संसद के लिए पुंभ कैंपस पहुंचे। वहां उन्होंने कांची शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती से मुलाकात की। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा अध्यक्ष राजनाथ द्वारा कल वहां दिये बयान पर चुटकी लेते हुए कहा है कि भगवान राम भी राम मंदिर बनाने के लिए किसी को परेशान नहीं करना चाहते हैं। इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की आवश्यकता नहीं है। राजनाथ सिंह के बयान पर दिग्विजय सिंह के बाद जेडीयू प्रवक्ता शिवानंद तिवारी ने कहा कि राम मंदिर बीजेपी का एजेंडा हो सकता है, एनडीए का नहीं। गौरतलब है कि कल राजनाथ सिंह ने पुंभ में विश्वहिंदू परिषद की मार्गदर्शक मंडल की बैठक में कहा था कि भाजपा जन्मभूमि पर ही राममंदिर का निर्माण करेगी। उनके भाषण के बाद वीएचपी कार्यकर्ताओं ने एक साथ राम के नाम का नारा लगाते हुए राम मंदिर निर्माण के लिए एक बार फिर अपनी कटिबद्धता दिखाई।

रोज डे के साथ शुरू हुआ वैलेण्टाइन वीक

देहरादून। वेलेन्टाइन वीक शुरूहोने के साथ ही जहां प्रेम के इजहार के लिए प्रेमी जोड़ों ने अपने स्तर पर इसकी तैयारियां शुरू कर दी थी वहीं इसका विरोध भी किया जा रहा है। तमाम हिन्दूवादी संगठनों ने वैलेण्टाइन डे का विरोध करना शुरूकर दिया है और इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ बताया है। आज से वैलेण्टाइन वीक शुरूहो गया है जिसकी शुरूआत आज रोज डे से हुई है। आज के इस खास दिन के सूर्य देव ने भी प्रेमी जोड़ों को अपना भरपूर सहयोग दिया और अपने पूरे निखार के साथ धूप खिलाकर रिश्तों में गर्माहट भर दी। वहीं रोज डे के लिए भले ही गुलाब की कलियां दुगुने दामों पर मिल रही हों लेकिन अपने स्नेहीजनों को पफूल भेंट कर अपने प्रेम का इजहार करने वालों ने इसकी भी परवाह नहीं करी। रोज डे के लिए बुके की जहां ऑन लाईन बुकिंग हो रही थी वहीं गुलाब की कलियां भी कई रोज पहले से ही फ्लोरिस्ट के यहां बुक करा दी गयी थीं। बीते रोज से ही लव बर्ड्स ने अपनी सुविधानुसार फूलों की खरीददारी शुरूकर दी थी जिससे कि उन्हें एनवक्तपर किसी तरह की परेशानी न हो। आज सुबह उठते ही युवाओं के चेहरे भी खुला मौसम देख कर खिल गये। आज के लिए कई दिनों से हो रही तैयारी के लिए मौसम ने भी पूरा साथ दिया। शहर में फ्लोरिस्ट के यहां फूलों और बुके खरीदने वालों की लाईनें लगी हुई थी वहीं रोज डे को यादगार बनाने के लिए लव बर्ड्स को एकदूसरे का बेसब्री से इंतजार करते दिखे। आज इन जोड़ों से शहर के तमाम होटल, रेस्टेरेंट्स के साथ ही राजपुर रोड गुलजार रहा। वहीं बाजार के तमाम गिफ्ट शॉपस व गैलरी में उपहारों की खरीददारी करने वालों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी। बाजार में वैलेण्टाइन वीक के हर दिन को यादगार बनाने और उपभोक्तावाद को भुनाने के लिए पूरी तैयारी हो रखी है। बस देर है तो अपनी सुविधा और मांग के अनुसार उपहार की डिमाण्ड करने की। एक तरपफ जहां प्रेमोत्सव को मनाने वालों में एक नया उत्साह दिखाई दे रहा था वहीं इसके विरोधी भी सक्रिय हो गये हैं। तमाम हिन्दूवादी संगठनों द्वारा हमेशा ही वैलेण्टाइन डे का विरोध किया जाता है जिसके चलते कई बार शहर में मारपीट और तोड़पफोड़ तक हो जाती है। इनमें कई संगठन तो ऐसे हैं जो वैलेण्टाइन डे मनाने वालों के खिलापफ हिंसक होने में भी पीछे नहीं रहते हैं। पिछले दो-तीन दिनों से इन संगठनों ने प्रदेश के विभिन्न शहरों में विरोध स्वरूप वैलेण्टाइन के पुतले पूंकने शुरू कर दिये थे और 14 फरवरी को भी विरोध करने का ऐलान कर दिया है। वैलेण्टाइन डे पर प्रेमी जोड़ों के लिए हर ओर एक डर भरा माहौल रहता है कि पता नहीं कहां से कौन आ कर उनकी खिलापफत करने लगे।

महाकुंभ बना राजनीति का अखाड़ा

इन दिनों प्रयागराज इलाहाबाद के महापुंभ में धार्मिक कार्यक्रम चल रहे हैं। देश एवं विदेश से हजारों साधु-संत प्रयागराज में उपस्थित हैं । इस महापुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पहुंचकर धार्मिक आस्थाओं का पालन कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में साधु-संतों, शंकराचार्य, महामण्डलेश्वरों की प्रयागराज में प्रतिदिन लाखों भक्तों की भीड़ को देखकर सभी प्रमुख राजनैतिक दल महापुंभ में पहुंचकर अपनी चुनावी बिसात बिछाने को काम कर रहे हैं । महापुंभ में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए साधु-संतों से आशीर्वाद दिलाकर उनके लिए पुख्ता रास्ता तैयार करने की कोशिश शुरू कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह, गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे सिंधिया सहित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शीर्ष पदाधिकारी महापुंभ में पहुंचकर इस धार्मिक अनुष्ठान को राजनैतिक अनुष्ठान में बदलने का प्रयास कर रहे हैं । इस क्रिया की प्रतिक्रिया होनी ही थी। सो अब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के साथ साथ अन्य दल भी प्रयागराज के महापुंभ में राजनैतिक डुबकी लगाने के लिए अपना डेरा डाल रहे हैं।कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह सहित दर्जनों नेताओं के महापुंभ पहुंचने की सूचना प्राप्त हो रही है। वहीं आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल तथा मनीष सिसोदिया, संजय सिंह भी प्रयागराज पहुंचकर साधु -संतों से सत्य, ईमान और संस्कारवानों को आशीर्वाद देने की गुहार लगाने पहुंच रहे हैं। सपा मुखिया मुलायम सिंह और मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने साधु-संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा मेले में साधु-संतों का विशेष इंतजाम करके उनको खुश करने का कोई प्रयास नहीं छोड़ा है। यह अलग तथ्य है कि उन्होंने प्रचार-प्रसार में ज्यादा रूचि नहीं लेकर दो नावों की सवारी करने का मन बनाया है।भाजपा के मुस्लिम केन्द्राहृय नेता मुख्तार अब्बास ने गंगा में डुबकी लगाकर प्रमुख साधु-संतों से मिलकर एक नया संदेश और नई राजनीति शुरूकरने की पहल की है। इससे कांग्रेस तथा सपा भी चौकन्नी हो गई है। नकवी के महापुंभ पहुंचकर साधु-संतों के आशीर्वाद को दूरगामी राजनैतिक परिणामों के परिप्रेक्ष्य में मंथन शुरूहो गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तथा उ.प्र. के प्रभारी परवेज हाशमी और कांग्रेस प्रवक्ता जर्नादन द्विवेदी भी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंदजी तथा अन्य साधु -संतों से मिलकर सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी के दौरे की पृष्ठभूमि तैयार की है। बड़े-बड़े राजनेताओं के महापुंभ में पहुंचने से शंकराचार्यों, महामंडलेश्वर, अखाड़ों तथा साधु-संतों की बांछें खिल गई हैं।भाजपा और संघ ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए आशीर्वाद दिलाने की जो चौसर महापुंभ में बिछाई है, उसमें साधु -संत अपना पुराना हिसाब-किताब निकालकर देख रहे हैं। रामजन्म भूमि आंदोलन तथा राम मंदिर को लेकर साधु-संत अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। गुजरात राज्य में साधु-संतों की गिरफ्तारी को लेकर भी संतों में आत्ममंथन हुआ। भाजपा नरेन्द्र मोदी को ट्रम्प कार्ड समझकर जो उपयोग करना चाहती थी उसके लिए उन्हें साधु-संतों को नए सिरे से विश्वास पैदा करने की कवायद करना पड़ रही है। इसमें सबसे ज्यादा फजीहत विश्व हिन्दूपरिषद की हो रही है। शंकराचार्य एवं साधु-संतों ने राम मंदिर के लिए एकत्रित हुए चंदे का हिसाब तथा गुजरात राज्य में साधु-संतों की गिरफ्तारी पर काफी आक्रोश व्यक्त किया है। मोदी की उम्मीदवारी को लेकर विहिप तथा संघ के शीर्ष पदाधिकारी बंद कमरों में साधु-संतों को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। महापुंभ में मप्र के धार में स्थित भोजशाला का मुद्दा भी संतों ने उठाकर विहिप तथा भाजपा नेताओं को बगलें झांकने को मजबूर किया है। संत बालक दास महाराज ने मप्र की भाजपा सरकार को भोजशाला में नमाज पढ़ने की अनुमति देने पर कड़ा प्रहार किया है। कुछ यही स्थिति कांग्रेस पार्टी को लेकर साधु-संतों के बीच बन रही है। पिछले 20 वर्षों में कांग्रेस की शंकराचार्यों तथा अन्य साधु-संतों से बनी दूरियों को लेकर साधु-संत नाराज हैं। उनसे आपसी विचार विमर्श कर जर्नादन द्विवेदी दिल्ली लौट गए है। अब सोनिया जी तथा राहुल गांधी के दौरे पर जो मंथन होगा उसके बाद ही पता चलेगा कि इस महापुंभ में किसे अमृत मिला और किसे विष पीना पड़ा।भाजपा को अभी तक एकमात्र शंकराचार्य कांची कामकोटि के जवेन्द्र सरस्वती का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने मोदी को धर्मनिरपेक्ष एवं असरदार राजनेता और सर्वधर्म मानने वाला बताकर प्रधानमंत्री के लिए अपना आशीर्वाद दे दिया है। शेष सभी साधु-संत राजनेताओं तथा राजनैतिक दलों के रंग-ढंग तथा विश्व हिन्दू परिषद की कार्यप्रणाली का सूक्ष्म अध्ययन करके ही अपनी राय व्यक्त करेंगे। यह महापुंभ राजनेताओं के लिए कैसा भी हो। साधु-संतो के लिए यह बेहतर माना जा रहा है। देश के बड़े-बड़े राजनेताओं ने धर्म सत्ता को एक बार फिर राजनीति में महत्व दिया है। इससे शंकराचार्य, महामंडलेश्वर तथा अखाड़ों के धर्माचार्य शासन व्यवस्था में सत्य, निष्ठा, ईमानदारी तथा जन-जन के कल्याण को लेकर राजनेताओं को इस महापुंभ में मार्गदर्शन देकर भारत के सशक्त नवनिर्माण की नई आधारशिला स्थापित कराने के लिए मंचन शुरूकर दिया है। इस महापुंभ में राजनीति एवं धर्म के मंथन से विष और अमृत किसी ना किसी को स्वीकार करना ही होगा।

आयुर्वेद ही है निरापद और कारगर चिकित्सा पद्धति

प्राणी जिन तत्वों से बना है उन तत्वों की कमी हो जाने की वजह से ही वह बीमार होता है। फिर चाहे वह पंच तत्वों की कमी हो अथवा उन तत्वों की जिन पर शरीर की संरचना और विकास टिका हुआ है।आजकल सभी प्रकार की चिकित्सा पद्धतियों के व्यापक प्रचलन, निरन्तर अनुसंधानों से निकलने वाले निष्कर्षों और जानकारी से दुनिया भरी पड़ी है जबकि भारतीय आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की प्राचीनता और विशिष्टता से अनभिज्ञ होकर हम उन पद्धतियों के पीछे भाग रहे हैं जो विदेशियों की देन है।चिकित्सा के मामले में हमारे अर्वाचीन वैद्यों ने जो शोध किए हैं वे आज भी हर कसौटी पर खरे उतर रहे हैं लेकिन हम आज भी विदेशियें के प्रभाव में आकर अपनी परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को उपेक्षित करते जा रहे हैं। और इसी अनुपात में हमारी बीमारियां और समाज की सेहत भी बद्द रही है।हालांकि इसके लिए व्यापक प्रबन्धों की कोई कमी नहीं है। लेकिन पहले जहां मामूली बामारियों का ईलाज आदमी अपने घर में ही, आस-पास या जंगल में उपलब्ध जड़ी-बूटियों से कर लिया करता था वहीं अब उसे मामूली ईलाज तक के लिए डॉक्टरों और अस्पतालों के दर जाना पड़ रहा है।उस जमाने में हर्बल चिकित्सा पद्धतियां विकसित थी और इनका सबसे बड़ा फायदा यह कि किसी भी बीमारी के तात्कालिक उपचार की बजाय उसे जड़ से समाप्त कर दिया करती थी और किसी भी प्रकार का पार्श्व दुष्प्रभाव भी नहीं होता था।आज हमारी स्थिति पराश्रित हो गई है जहां हम कुछ भी नहीं करना चाहते। छोटी सी गोली से बीमारी भगा देने के लिए हम विदेशी दवाइयों के भरोसे हैं। बावजूद इसके हम हमारी सेहत के लिए उन उपायों का इस्तेमाल नहीं करते जो प्रकृति ने उपहार के तौर पर हमें दी हैं और जिनका प्रयोग सदियों से होता आया है।आज जरूरत इस बात की है कि हर इलाके में क्षेत्र विशेष की भौगोलिक स्थितियों और पारिस्थितिकी तंत्र को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के उपाय किए जाएं कि वनौषधियों, जड़ी-बूटियों का व्यापक पैमाने पर अंकुरण, पल्लवन और उत्पादन हो ताकि स्थानीय लोगों को आजीविका के लिए उपलब्ध प्राचीन स्रोत फिर बहाल हो सकें।इसके साथ ही वनौषधियों से संबंधित ज्ञान के बारे में लोक शिक्षा भी जरूरी है जिससे कि इन वनौषधियों के संरक्षण एवं विस्तार में स्थानीय लोगों की आत्मीय भागीदारी भी बढ़ सके। आयुर्वेद के समग्र विकास और जन-जन तक विस्तार की धारणा तभी सार्थक हो सकती है जब वृहत् पैमाने पर स्थानीय स्तर पर वनौषधियों का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाकर आम जनता के लिए किफायती दर पर जड़ी-बूटियों और वनौषधियां हासिल हों।खासकर ग्राम्यांचलों में वनौषधियों की पहचान और इनके संरक्षण की पुरातन परंपरा को प्रोत्साहित किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है। निश्चय ही आयुर्वेद आम आदमी के लिए नितान्त लाभकारी है लेकिन इस बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार बेहद जरूरी है और तभी इसके शाश्वत परिणामों से जन समुदाय लाभान्वित हो सकता है।एक जमाना था जब आदमी के पास किसी भी प्रकार की आधुनिक चिकित्सा पद्धति नहीं थी और तब वह मात्र जड़ी-बूटियों के बल पर अपने रोगों को निवारण करने में सक्षम था और दीर्घायु प्राप्त करता था। दुर्भाग्य से विज्ञान की चकाचौंध और पाश्चात्यीकरण के दौर में आयुर्वेद का ह्रास होता चला गया।बावजूद इन सबके आयुर्वेद की प्राच्य चिकित्सा पद्धति आज भी सबसे ज्यादा कारगर है और लोगों की इसके प्रति दिली श्रद्धा बरकरार है।

एयर इंडिया ने हवाई अड्डों का ज्यादातर बकाया चुकाया

नई दिल्ली । जीएमआर की अगुवाई वाले दिल्ली और हैदराबाद हवाई अड्डों के परिचालकों का अधिकांश बकाया एयर इंडिया ने चुका दिया है। पिछले कुछ दिन में एयर इंडिया ने 415 करोड़ रुपए की किस्त अदा की है। जीएमआर के प्रवक्ता का कहना है कि बड़े हर्ष की बात है कि एयर इंडिया ने पिछले दो माह के दौरान जीएमआर समूह का ज्यादातर बकाया चुका दिया है। हमें आशा है कि एयर इंडिया शेष बकाया भी जल्दी चुकाएगी, जिससे वह नियमित भुगतान की स्थिति में आ जाएगी। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) तथा जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लि. दोनों संयुक्त उद्यमों में जीएमआर प्रमुख कंपनी है। एयर इंडिया पर लैंडिंग, नेविगेशन तथा पार्किंग शुल्क आदि का बकाया है।

केंद्र डीवीसी के कायाकल्प के लिए विश्व बैंक से लेगी सहयोग

कोलकाता । सरकार 7,000 करोड़ रुए की दामोदर वैली कारपोरेशन (डीवीसी) का कायाकल्प करने के लिए विश्व बैंक से सहयोग की मांग करेगी। डीवीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि अहम संगठन का पुनर्गठन करने के लिए विश्व बैंक से वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग मांगेंगे। हम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पहले ही सरकार को सौंप चुके हैं जो इसे जल्द ही विश्व बैंक के पास भेजेगी। उनका कहना है कि हम विश्व बैंक के साथ एक ऐसा संबंध बनाना चाहते हैं, जिसमें हमारी योजनाओं का सह वित्त पोषण और निगम में सर्वोत्तम व्यवहार एवं प्रौद्योगिकी पेश करना शामिल है।

वाशिंगटन ऑटो शो के दौरान शेवरले कैमेरो हॉट व्हील्स स्पेशल का प्रदर्शित मॉडल।

बाजार में जारी रही गिरावट

सेंसेक्स 59 अंक, निफ्टी 20 अंक गिरा

मुंबई । सरकार ने 2012-13 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 5 फीसदी किये जाने का असर घरेलू शेयर बाजार पर दिखा। कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को बाजार में बीते दिन की तरह गिरावट का रुख जारी रहा। कारोबार की समाप्ति पर सेंसेक्स 59 अंक गिरकर 19,580 के स्तर पर और निफ्टी 20 अंक की गिरावट के साथ 5,939 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में जहां बम्बई स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 50 अंकों की गिरावट के साथ 19,589 पर खुला। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 19,703 के ऊपरी और 19,540 के निचले स्तर को छुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 23 अंकों की गिरावट के साथ 5,936 पर खुला और दिन के कारोबार में निफ्टी ने 5,978 के ऊपरी और 5,926 के निचले स्तर को छुआ। बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी गिरावट दर्ज की गई। मिडकैप सूचकांक 60 अंकों की गिरावट के साथ 6,805 पर और स्मॉलकैप 93 अंकों की गिरावट के साथ 6,859 पर बंद हुआ। बीएसई के 13 में से 3 सेक्टरों सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन और तेज खपत उपभोक्ता वस्तु में तेजी दर्ज की गई। नकारात्मक एशियाई संकेतों के बीच घरेलू बाजार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में बाजार में गिरावट में कारोबार होता रहा। हालांकि कारोबार के दूसरे घंटे में बाजार हरे निशान पर लौटने में कामयाब रहा। लेकिन बाजार ज्यादा देर तक इस मजबूती पर टिक नहीं सका और वापस लाल निशान पर फिसला। मजबूत यूरोपीय संकेतों के बावजूद बाजार में गिरावट जारी रही। सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2012-13 में आर्थिक विकास दर का अनुमान घटा कर 5 फीसदी किए जाने की खबर से बाजार पर दबाव बढ़ा। इसके बाद जैसे-जैसे कारोबार बढ़ता गया, बाजार की गिरावट भी बढ़ती चली गयी। हालांकि, दोपहर बाद के कारोबार में बाजार ने संभलने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद इसमें दोबारा गिरावट बढ़ी। कारोबार के आखिरी घंटें में बाजार की गिरावट में थोड़ी कमी आयी लेकिन बाजार आखिरकार गिरावट पर बंद हुए। क्षेत्रों के लिहाज से आज के कारोबार को देखें तो कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को सबसे ज्यादा घाटा पहुँचा इसके अलावा रियल्टी, पावर, धातु, कैपिटल गुड्स, पीएसयू, हेल्थकेयर, तेल-गैस, बैंकिंग, टीईसीके के सेक्टर के शेयरों में जहां कमजोरी दर्ज की गई वहीं आईटी, ऑटो और एफएमसीजी के शेयरों में मामूली बढ़त दर्ज की गई।

जनवरी माह में भारत का सोयाखली निर्यात बढ़ा

इंदौर । अंतरराष्ट्रीय मांग में सुधार आने से भारत का सोयाखली निर्यात जनवरी के दौरान लगभग 28 फीसदी की बढ़त साथ 6,20,133 टन पर पहुंच गया। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) के प्रवक्ता ने बताया कि जनवरी 2012 में देश से 4,84,195 टन सोया खली का निर्यात किया गया था। प्रसंस्करणकर्ताओं के इंदौर स्थित संगठन के प्रवक्ता के अनुसार मौजूदा वित्तीय वर्ष में देश से अप्रैल 2012 से जनवरी 2013 तक 25,36,062 टन सोयाखली का निर्यात किया गया। यह पिछले साल की समान अवधि के 30,82,267 टन के सोयाखली निर्यात के मुकाबले करीब 18 प्रतिशत कम है। प्रवक्ता ने बताया कि जारी तिलहन वर्ष (अक्टूबर 2012-सितंबर 2013) के शुरुआती चार महीनों के दौरान देश के सोयाखली निर्यात में करीब 13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 16,98,984 टन रह गया। पिछले तिलहन वर्ष की समान अवधि में देश से 19,53,415 टन सोयाखली का निर्यात किया गया था। सोपा के इन आंकड़ों में पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश को रेल या सड़क मार्ग से किया गया सोयाखली निर्यात शामिल नहीं है। सोयाखली प्रोटीन का बड़ा स्त्रोत है और इसका इस्तेमाल खासकर पशु आहार के रूप में होता है। भारत, एशिया में सोयाखली का सबसे बड़ा निर्यातक है। वियतनाम, जापान, चीन, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे देश भारतीय सोयाखली के बड़े खरीदार हैं।

ऑडी और मर्सिडीज की रिकार्ड बिक्री

बर्लिन । जर्मनी की कार निर्माता कम्पनी ऑडी और मर्सिडीज-बेंज ने जनवरी में दुनिया भर में अब तक किसी भी एक महीने की तुलना में अधिक बिक्री की। ऑडी ने जनवरी 2013 में 1,11,750 कारें बेचीं, जितनी अब तक किसी भी एक महीने में नहीं बिक पाई थी। वोक्सवैगन की सहायक कम्पनी ने इंगोलस्टैट शहर में अपने मुख्यालय में कहा कि वैश्विक बिक्री में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 16 फीसदी का इजाफा हुआ। मर्सिडीज बेंज ने भी स्टटगार्ट में बताया कि उसने जनवरी 2013 में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 9.2 फीसदी अधिक 94,895 कारें बेचीं। मर्सिडीज-बेंज कार्स के बिक्री निदेशक जोएचिम स्किमि का कहना है कि इस साल बिक्री में और इजाफा होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि 2013 में कम्पनी नई ई-क्लास फैमिली और नई सी-क्लास पेश करेगी।

अगले कुछ दिनों में कम होंगी प्याज की कीमत:पवार

नई दिल्ली । कृषि मंत्री शरद पवार का कहना कि गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के कुछ भागों से आपूर्ति में सुधार के बाद अगले कुछ दिनों में प्याज के दाम घट जाएंगे। उनका कहना है कि प्याज की समस्या अगले कुछ दिनों में सुलझा ली जाएगी। देश में इसका भरपूर माला में भंडार है। आने वाले दिनों में आपूर्ति में सुधार होने की संभावना है। उनका कहना है कि गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के कुछ भागों से नई फसल की आवक 15 फरवरी के बाद शुरू होगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में प्याज के दामों में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जिसकी वजह से उत्पादन में गिरावट हो सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में खुदरा कीमतें दोगुना से ज्यादा बढ़कर 31 रुए किलो हो गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 13 रुए किलो पर थी। उत्तर भारत में प्याज के दाम बढ़ने की वजह के बारे में पवार का कहना है कि मुझे नासिक से कुछ सूचनाएं मिली हैं और कुछ व्यापारियों से मैंने बात की है। उनकी शिकायत है कि देश के उत्तरी भाग में प्याज को भेजने के लिए उन्हें रेलवे से वैगन नहीं मिल रहे हैं। पवार का कहना है कि कल इस बिन्दु विशेष पर कैबिनेट सचिव से वार्ता की गई। मुझे उम्मीद है कि वे कुछ निदानात्मक कार्यवाही करेंगे। अगर वैगन उपलब्ध कराये जाते हैं तो मुझे पूरी उम्मीद है कि स्थिति में नाटकीय परिवर्तन होगा। उनका कहना है कि नासिक में पिछले साल का स्टाक बचा हुआ है और वहां के व्यापारी अच्छे दामों की उम्मीद में उत्तरी भारत में उस माल को उतारना चाहते हैं। वर्ष 2012-13 में प्याज के उत्पादन के बारे में उनका कहना है कि महाराष्ट्र में प्याज का क्षेत्र गंभीर सूखे के कारण प्रभावित हुआ है। लेकिन राजस्थान गुजरात और अन्य उत्पादक राज्यों में स्थितियों में पर्याप्त सुधार हुआ है। मंत्री का कहना है कि इसी कारण से पूरे देश में प्याज की उपलब्धता को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय बागवानी के शोध एवं विकास फाउंडेशन (एनएचआरडीएफ) के अनुसार प्याज खेती के रकबे में 10 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद इस वर्ष प्याज का उत्पादन पिछले वर्ष के 174 लाख टन के स्तर के करीब रहने की उम्मीद है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 7 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । मौजूदा वित्त वर्ष के प्रथम 10 महीनों के दौरान देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.55 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 4.25 लाख करोड़ रुपये संग्रह हुआ था। पिछले वर्ष की तुलना में प्रत्यक्ष कर संग्रह में 7.02 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सकल निजी आयकर संग्रह में 13.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मौजूदा वित्त वर्ष 2012-13 के अप्रैल से जनवरी के दौरान 1,57,913 करोड़ रुपये का निजी आयकर संग्रह हुआ, जबकि 2011-12 की इसी अवधि में 1,38,746 करोड़ रुपये संग्रह हुआ था। लेकिन कॉरपोरेट कर संग्रह में वृद्धि दर धीमी रही। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, आलोच्य अवधि में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह में 3.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2,96,451 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 2,85,837 करोड़ रुपये संग्रह हुआ था। संपत्ति पर लगने वाले कर संग्रह में 2.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और इस मद में 685 करोड़ रुपये संग्रह हुआ, जबकि प्रतिभूति विनिमय कर (एसटीटी) से होने वाली वसूली में 9.99 प्रतिशत की गिरावट आई। इस मद में मौजूदा वित्त वर्ष के प्रथम 10 महीनों में 3,731 करोड़ रुपये संग्रह हुआ। समीक्ष्य अवधि के दौरान प्रत्यक्ष कर से शुद्ध संग्रह 12.49 प्रतिशत बढ़ा और 3,90,310 करोड़ रुपये संग्रह हुआ। शुद्ध और सकल कर संग्रह में अंतर, कर वापसी के कारण रहा।

टेक महिंद्रा का मुनाफा घटा, आय बढ़ी

मुंबई । वित्त वर्ष 2013 की तीसरी तिमाही में टेक महिंद्रा का मुनाफा 6.8 फीसदी घटकर 275.8 करोड़ रुपये रहा। पिछली तिमाही में कंपनी का मुनाफा 296 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2013 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में टेक महिंद्रा की आय 9.8 फीसदी बढ़कर 1791 करोड़ रुपये रही। पिछली तिमाही में कंपनी की आय 1631 करोड़ रुपये रही थी। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर अक्टूबर-दिसंबर में टेक महिंद्रा का एबिटडा 338 करोड़ रुपये से बढ़कर 376.3 करोड़ रुपये रहा। वहीं, कंपनी का एबिटडा मार्जिन 20.75 फीसदी से बढ़कर 21 फीसदी रहा। वित्त वर्ष 2013 की तीसरी तिमाही में टेक महिंद्रा का डॉलर राजस्व 32.9 करोड़ डॉलर रहा। पिछली तिमाही में कंपनी का डॉलर राजस्व 22.9 करोड़ डॉलर रहा था। 31 दिसंबर 2012 को टेक महिंद्रा का कुल कर्ज 1318 करोड़ रुपये था।

राष्ट्रीय डेयरी योजना में अब देश के 14 राज्य

नई दिल्ली । विश्व बैंक के सहयोग से एनडीडीबी ने राष्ट्रीय डेयरी योजना उत्तर प्रदेश सहित आठ राज्यों को शामिल कर लिया है। इस योजना के तहत सभी राज्यों में दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाकर दूध उत्पादन बढ़ाने के वैज्ञानिक उपाय किए जाएंगे। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अमृत पटेल के अनुसार देश के 14 प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में से 13 को इसमें शामिल कर लिया गया है। बिहार के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है। पहले चरण में आठ राज्यों में परियोजना संचालन समिति 49 प्रस्तावों का अनुमोदन कर चुकी है। ये राज्य हैं उत्तर प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र। योजना के तहत पशुओं के संतान परीक्षण, वंशावली चयन, वीर्य स्टेशनों का सुदृढ़ीकरण, संतुलित राशन कार्यक्रम, चारा विकास के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया है। अगले एक महीने में आंध्र प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल को भी योजना में शामिल किए जाने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष की समाप्ति तक देश के सभी 14 प्रमुख डेयरी राज्य इस योजना के दायरे में आ जाएंगे। इस योजना के प्रथम चरण के कार्यान्वयन के मुख्य मुद्दों के बारे में गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल, पंजाब, तमिलनाडु व राजस्थान में राज्य स्तरीय बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं।

सारा के लिए मुश्किल बना बिग बॉस'

फिक्स था बिग बॉस का चौथा सीजन !

मुंबई । बहुचर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के एक सीरियल में हुई शादी ने दो टीवी कलाकारों (सारा खान और अली मर्चेंट) के जीवन में हलचल मचा दी है। बिग बॉस के सीजन चार में हुई अपनी और अली की शादी को सारा खान जहां सीरियल की शूटिंग मानती हैं वहीं अली मर्चेंट इसे सच में हुई शादी मानता है।एक रियलिटी शो में आमने-सामने आए सारा और अली ने अपने रिश्ते के बारे में सनसनीखेज खुलासे किए हैं। सारा और अली मर्चेंट ने कलर्स पर बिग बॉस के सीजन- 4 में हिस्सा लिया था। लोकप्रिय अदाकारा सारा खान ने कहा कि शो में दिखाया जाने वाला हर सीन रियल नहीं होता। कम से कम जिस सीजन (चार) में वह 'बिग बॉस' के घर में थीं, उस सीजन में तो ऐसा नहीं ही था। सारा ने बताया कि उन्हें लालच देकर बिग बॉस' में उनकी शादी कराई गई और अब यही शादी उनके लिए मुश्किल भी खड़ी कर रही है। शो से निकलते ही सारा उस शादी को भूल गईं, लेकिन अली ऐसा नहीं समझ रहा है। गौरतलब है कि सारा ने लाइफ ओके चैनल पर रियलिटी शो वेलकम- बाजी मेहमान-नवाजी की के पांच फरवरी के एपीसोड में कहा है कि अली से उसकी शादी बिग बॉस शो में फिनाले तक पहुंचाने का लालच देकर करवाई गई थी। वेलकम शो में अमन वर्मा द्वारा सारा और अली की शादी के सवाल पर सारा ने कहा शादी का कोई सवाल ही नहीं है। इस बारे में मैंने पहले कभी बात नहीं की। शादी के वक्त वहां मेरे पैरेंट्स तक मौजूद नहीं थे तो यह कैसी शादी है? अगर एक शो में शादी करते हैं तो जरूरी नहीं कि वह शख्स आपका पति बन जाए।' सारा ने अमन वर्मा से बातचीत में साफ साफ कहा कि उन्हें और अली को शो के टास्क के तौर पर शादी करने के लिए कहा गया था। सारा ने कहा, बिग बॉस के आयोजकों ने मुझे भरोसा दिलाया था कि अगर मैं ऐसा करती हूं तो मुझे बिग बॉस के ग्रांड फिनाले तक पहुंचाएंगे।

पढ़ाई न करने का मुझे है पछतावा : काजोल

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल को इस बात का पछतावा है कि उन्होंने पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया। काजोल ने बताया कि उन्हें पढ़ाई करने के समय पढ़ाई में मन नहीं लगता था। अच्छी पढ़ाई की अहमियत उन्हें बाद में पता चली। बच्चों से जुड़े एक टीवी कार्यक्रम में बोलते हुए काजोल ने कहा कि मैंने कभी भी मन लगाकर पढ़ाई नहीं की। मेरा मन पुस्तकों में लगा ही नहीं। पढ़ाई खत्म करने के बाद जब मैं काम करने लगी तब मुझे पढ़ाई की एहमियत का एहसास हुआ। यह एक भारी भूल थी। समय एक ऐसी चीज है जिसे दोबारा वापस नहीं पाया जा सकता। काजोल ने विद्यार्थियों से पढ़ाई को गंभीरता से लेने का आग्रह करते हुए कहा कि मैं सभी बच्चों से कहना चहूंगी कि वे सब वह गलती न करें जो मैने की थी क्योंकि ज्ञान वह चीज है जो तुमसे कोई छीन नहीं सकता।

रिलीज से पहले सीबीआई अधिकारी देखेंगे 'स्पेशल 26'

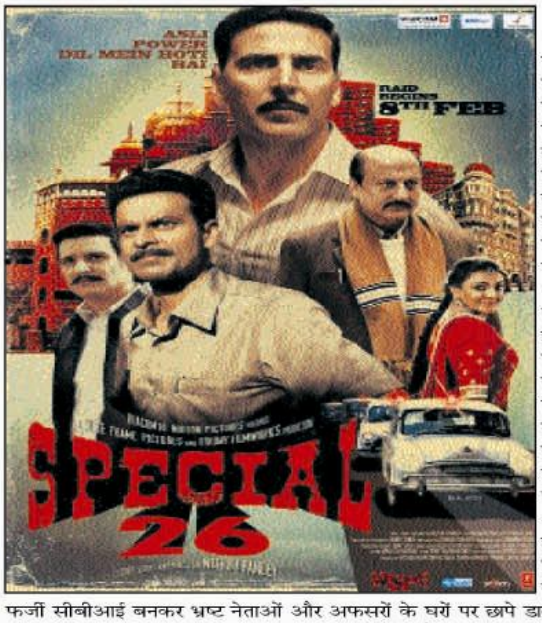

फरवरी में रिलीज हो रही फिल्म 'स्पेशल 26' को विवादों से बचाने के लिए फिल्म पहले सीबीआई अधिकारियों को दिखायी जाएगी। ज्ञात हो कि यह फिल्म सीबीआई अधिकारियों की कार्यशैली पर केंद्रित है। इस फिल्म का निर्देशन नीरज पांडेय कर रहे हैं। नीरज इसके पहले 'ए वेनडस डे' फिल्म बना चुके हैं। फिल्म रिलीज के बाद कोई विवाद न हो इसके लिए नीरज सीबीआई अधिकारियों को रिलीज से पहले ही यह फिल्म दिखा देना चाहते हैं। इसके लिए रिलीज से एक दिन पहले यानी कि सात फरवरी को सीबीआई अधिकारियों के लिए फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग रखी गयी है। इस स्क्रीनिंग में पूर्व सीबीआई अधिकारी भी शामिल होंगे। नीरज पांडेय ने कहा कि हालांकि फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं हैं, फिर भी हम इसे सीबीआई के अधिकारियों को दिखाना चाहते हैं। यह फिल्म ठगों के ऐसे गिरोह पर केंद्रित है जो फर्जी सीबीआई बनकर भ्रष्ट नेताओं और अफसरों के घरों पर छापे डालते हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ अनुपम खेर, जिमी शेरगिल, मनोज बाजपेई और काजल अग्रवाल की मुख्य भूमिका है।

अमिताभ के रोल का रीमेक करेंगे छोटे बच्चन

मुंबई (ईएमएस)। इन दिनों बॉलिवुड में नई और पुरानी सफल फिल्मों के सिक्वल बनाने की परंपरा सी चल रही है। हालांकि किसी भी सफल फिल्म की रीमेक करना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इस पर भी बात जब बिग बी की फिल्म और उनके ही रोल को निभाने की आ जाए तब सभी धुरंधर अभिनेताओं को कई बार सोचना पड़ता है। इस बार बिग बी की फिल्म दो और दो पांच की रीमेक करने का बेड़ा कुणाल कोहली ने उठाया है और बिग बी के किरदार को निभाने की कवायद छोटे बच्चन यानी अभिषेक बच्चन ने की है। बताया जा रहा है कि कुणाल कोहली 1980 की फिल्म दो और दो पांच का रीमेक बनाना जा रहे हैं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन ने अपने पिता के जुते पहनने की कोशिश की है। फिल्म में बॉबी देवल शशि कपूर की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि फिल्म की अभिनेली कौन होगी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है।

राजश्री जल्द बनेंगी मां

स्टार प्लस पर प्रसारित शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' पिछले साले अपने समारोहों की वजह से चर्चा में रहा है और 2013 में लगता है समारोहों की यह संख्या और बढ़ने वाली है। परदे की सौम्य अक्षरा की मां राजश्री यानी लता सबरवाल सेठ असल जिंदगी में जल्द ही मां बनने वाली है। लता की शादी अपने 'ऑन स्क्रीन पति' संजीव सेठ से हुई है। हालांकि लता अभी भी शूटिंग कर रही है क्योंकि लता को सेट पर घर जैसा महसूस होता है। दरअसल, सेट पर सभी कलाकार उनका बहुत साथ देते है।लता का इस बारे में कहना है कि हां मैं प्रेग्नेंट हूं और यह एक खूबसूरत एहसास है। घर और सेट पर मिले सहयोगी लोगों के लिए मैं भगवान को शुक्रिया करती हूं।

खेल-खेल में हाथापाई पर उतरे प्रवीण

नए विवाद में फंसे प्रवीण कुमार, कॉरपोरेट कप टूर्नामेंट में हुआ विवाद

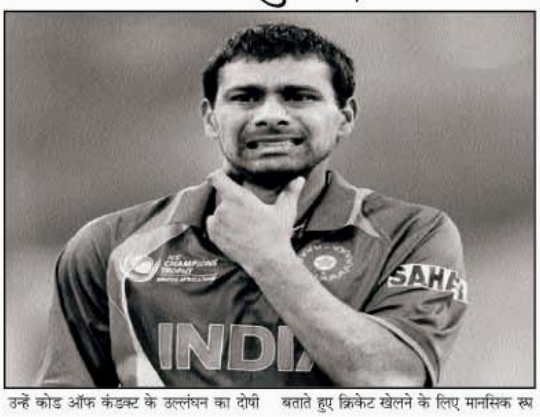

मुंबई । क्रिकेट पिच पर गुस्से में दिखाई देने वाले भारतीय क्रिकेटर प्रवीण कुमार अब एक नए विवाद में फंस गए हैं। इस बार प्रवीण कुमार पर खेल के दौरान गाली-गलौज, हाथापाई, और अम्पायर से बदतमीजी करने के आरोप लगे हैं, जिनके बाद उन्हें काफी लम्बे समय तक टीम से बाहर किया जा सकता है। दरअसल, बीसीसीआई के कॉरपोरेट कप टूर्नामेंट के दौरान ओएनजीसी और इन्कम टैक्स की टीमों के बीच खेले गए मैच के अम्पायरों अजीत स.दातार और कमलेश शर्मा ने मैच रेफरी धनंजय के. सिंह को पत्र लिखा, जिसके बाद रेफरी ने बीसीसीआई को प्रवीण की शिकायत करते हुए पत्र लिखा। पत्रों की माने 4 फरवरी को ओएनजीसी की ओर से गेंदबाजी करते हुए प्रवीण कुमार मैदान में विपक्षी बल्लेबाज अजित अरगल से हाथापाई करने पर उतारूहो गए थे, जिसके चलते रेफरी ने उन्हें कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन का दोषी बताते हुए क्रिकेट खेलने के लिए मानसिक रूप से अनफिट करार दिया है। सोमवार को खेले गए मैच में इन्कम टैक्स टीम की पारी के 48वें ओवर में यह घटना हुई, जब प्रवीण और अजित के बीच कुछ बहस हो गई और नौबत हाथापाई तक उतर आई। प्रवीण पर आरोप है कि उन्होंने अजित को भद्दे इशारे किए और उन पर हाथ छोड़ने की भी कोशिश की। अम्पायरों के पत्र में सारी घटना का विस्तार से उल्लेख करते हुए लिखा गया है, प्रवीण ने उस वक्त क्रीज पर मौजूद अजितेश और अम्पायरों को गंदी-गंदी गालियां दीं। पत्र की माने तो पहले प्रवीण ने चिल्लाते हुए अजितेश से कहा, कि (गाली...) तू बैटिंग कर, अम्पायरिंग मत कर... इसके बाद जब प्रवीण कुमार को रोकने की कोशिश की गई तो वह अम्पायरों से बोले, वो (गाली...) बैटिंग क्यों नहीं करता...'अम्पायरों द्वारा दिये गए पत्र में यह भी जानकारी दी है कि ओवर की पहली बॉल डालने के बाद ही प्रवीण बल्लेबाज के पास गए और उसे सिर व छाती से टक्कर मारी। प्रवीण कुमार पर पूरी मैच फीस का जुर्माना लगाने की सिफारिश करने के साथ-साथ उन्हें चेतावनी देने के लिए भी कहा गया है। अम्पायरों ने यहां तक लिखा है कि प्रवीण कुमार को उनकी खुद की टीम के साथी भी पसंद नहीं करते। जानकारों की माने तो रेफरी ने कहा है कि प्रवीण कुमार की मानसिक हालत फिलहाल क्रिकेट खेलने की नहीं है। बताया जाता है कि बीसीसीआई इस शिकायत के बाद प्रवीण कुमार को कड़ी सजा देगी। प्रवीण ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच एशिया कप में मार्च, 2012 में खेला था, लेकिन अगर ये आरोप सही सिद्ध हुऐ, तो उन्हें लंबे समय तक टीम इंडिया से बाहर रहना पड़ सकता है।

फिक्सिंग जांच में सहयता करेगा एएफसी

680 फुटबॉल मैचों में फिक्सिंग

कुआलांलपुर । विश्व व्यापी मैच फिक्सिंग विवाद में एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने यूरोपीय पुलिस की जारी जांच में सहयोग की पेशकश करेगा। यूरोपीय पुलिस की जांच में दुनियाभर में 680 फुटबॉल मैचों से ज्यादा मैचों में मैच फिक्सिंग के मामले सामने आए हैं। यूरोपीय पुलिस ने घोषणा की थी कि उसने बहुत बड़े वैश्विक मैच फिक्सिंग नेटवर्क का पता लगाया है जिसने खिलाड़ियों, रेफरी और अन्य अधिकारियों से संपर्क करके कई पेशेवर मैचों को निशाना बनाया था। पुलिस ने कहा कि सिंगापुर स्थित अपराध से जुड़ा समूह पूरे यूरोप के आपराधिक नेटवर्क के संपर्क में रहता था तथा 15 देशों में मैच फिक्सिंग की जा रही थी। अभी तक 50 व्यक्ति-गिरफ्तार किए हैं। एएफसी जिसका कार्यालय पड़ोसी देश मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में हैं। उन्होंने कहा कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वाली संस्था का सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार है हालांकि अभी उनसे इस मामले को लेकर किसी संगठन ने औपचारिक संपर्क नहीं किया है। इस फिक्सिंग घोटाले के पीछे सिंगापुर में बसे एक तमिल मूल के विल्सन राज पेरूमल का नाम सामने आ रहा है। पेरूमल पर पांच महाद्वीप में सैकड़ों मैचों में फिक्सिंग कराने का आरोप लग रहा है और इन फिक्सिंग के जरिए उसने खूब कमाई भी की। एएफसी के महासचिव दातो अलेक्स सूसे ने कहा कि हम एशिया महाद्वीप में कुछ संदेहास्पद मैच खेले गए थे। एएफसी की फुटबॉल में अनैतिक गतिविधियों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति है और हम खेल में किसी भी तरह की अनियमितताओं जैसे मैच फिक्सिंग, भ्रष्टाचार और अनैतिक सट्टेबाजी से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूरोपीय पुलिस यानी यूरोपोल 18 महीनों से जांच कर रहा है और उसने कहा है कि विश्व कप और यूरोपीय चैंपियनशिप के क्वालीफायर्स सहित चैंपियंस लीग तथा यूरोपीय लीग के कई अन्य मैच प्रभावित रहे हैं।

इंडिया गेट से मवाना मैराथन 17 को

नई दिल्ली । मवाना शुगर इंडियन ओपन मैराथन का आयोजल 17 फरवरी को किया जाऐगा। इंडिया गेट से शुरूहोकर वही पर समाप्त होने वाली इस दौड़ में 12 हजार धावकों के भाग लेने उम्मीद है। मवाना शुगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ श्रीराम ने बताया कि इस दौड़ के पुरूष व महिला दोनों वर्ग के विजेता को बराबर ढाई-ढाई लाख रूपया ईनाम के तौर पर दिया जाएगा जबकि दूसरे स्थान पर आने वाले धावक को एक-एक लाख और तीसरे स्थान पर रहने वाले को 50-50 हजार दिया जाएगा। इसी तरह पहले 20 धावकों के लिए इनाम रखा गया है। उषा इंटरनेशनल के सहयोग और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वाधान में होने वाले वाली इस प्रतियोगिता में हाफ मैराथन जीतने वाले पुरूष और महिला दोनों वर्गों को बराबर 70 हजार रूपया दिया जाएगा इसी तरह पहले 30 स्थान तक के धावकों को इनाम दिया जाएगा। वेटरन वर्ग पुरूष (45साल से ज्यादा) के विजेता को 20 हजार और महिला वर्ग (40 साल से ज्यादा) के विजेता को 20-20 हजार और इसी तरह हाफ मैराथन के इस वेटरन वर्ग में पहले दस के विजेता का ईनाम दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मैराथन में भाग लेने वाले 11 फरवरी तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस मैराथन में दिल्ली पुलिस सेना भारतीय वायुसेना आाैर अर्ध सैनिक बलों के धावक भी भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता इंडिया गेट से शुरू होकर विजय चौक, पार्प होटल, कनाट प्लेस, संसद मार्ग से टालस्टाय मार्ग से वापस इंडिया गेंट पर समाप्त होगी।

सागर ने जीती माधव राव सिंधिया ट्रॉफी

भोपाल/रीवा । गत उपविजेता सागर ने माधव राव सिंधिया इंटर डिवीजन वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में मेजबान रीवा को 5 विकेट से परास्त कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया हैं। विजेता टीम के बल्लेबाज मनोज सिंह को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी के पुरस्कार से नवाजा गया हैं। विश्वविद्यालय स्टेडियम सागर के लिए लकी रहा। मेजबान टीम से मिले चुनौतीपूर्ण टारगेट 287 रन का पीछा सागर ने पूरे आत्मविश्वास से किया। ओपनर मुदित श्रीवास्तव (73) और मनोज सिंह (74) ने पहले विकेट के लिए 148 रन की मजबूत साझेदारी निभाईं। मेजबान के लिए सिरदर्द बने दोनों बल्लेबाजों को अनुराग सिंह ने पवेलियन भेजा। हालांकि इसके बाद आए आशुतोष सिंह (59) और हरप्रीत सिंह (39) को रीवा के गेंदबाज रोक नहीं पाए। दोनों ने रन बटोरने में कोई कसर नहीं छोड और दो गेंदें शेष (19.4 ओवर) रहते सागर को खिताबी जीत दिला दी। मेजबान की ओर से अनुराग सिंह (तीन विकेट) ही सबसे असफल गेंदबाज रहे। इससे पहले रीवा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 286 रन का स्कोर खड़ा किया। मेजबान की फाइनल मैच्च में शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसका पहला विकेट दूसरे ओवर में सागर सकसेना के रूप में गिरा। जफर अली (12) भी खास कुछ नहीं कर सके। कप्तान आनंद सिंह ने भरोसे की पारी खेली और 47 रन बनाए। संजय मिश्रा (30) ने भी अच्छे हाथ दखाए। इसके बाद रामसिंह (72), अतुल तिवारी (59) और अनुराग सिंह (19 गेंद में 46 रन) ने आतिशी पारियां खेली। जिसमें पांच छक्के शामिल थे। सागर की ओर से हरप्रीत सिंह ने तीन और पंकज राव ने एक विकेट लिया। जेपी यादव को रन बचाने में अच्छी कामयाबी मिली। टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण कलेक्टर शिवनारायण रूपला ने किया।

मिताली की कप्तानी पारी, पाक पर राज

कटक । खिताब की दौड़ से पहले ही बाहर का रास्ता देख चुकी भारत ने कप्तान मिताली राज (103) नाबाद शतकीय पारी की बदौलत आज यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 6 विकेट से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट में सांत्वना जीत दर्ज करके सातवां स्थान हासिल किया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की लेकिन नैन अबीदी (58) और निदा डार (नाबाद 68) को छोड़कर उसकी कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पायी। पाकिस्तान ने 7 विकेट पर 192 रन बनाए। भारत के लिए नागराजन निरंजना ने 35 रन देकर तीन और झूलन गोस्वामी ने 17 रन देकर दो विकेट अपने नाम लिए। मिताली ने इसके बाद नाबाद 103 रन की कप्तानी पारी खेली जो एकदिवसीय मैचों में उनका चौथा शतक है। मिताली की इस बेजोड़ पारी से भारत ने शुरूआती झटकों से उबरते हुए 46 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाकर जीत दर्ज की। भारत ग्रुप ए में इंग्लैंड और श्रीलंका से हारकर सुपर सिक्स की दौड़ से बाहर हो गया था और उसके लिए यह मैच प्रतिष्ठा से जुड़ा था। तिरूष कामिनी और हरमनप्रीत कौर के बाद मिताली तीसरी भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस विश्व कप में शतक लगाया। उन्होंने अपनी पारी में 141 गेंद खेली तथा 13 चौके और एक छक्का लगाया। मिताली और रीमा मल्होत्रा (25) ने पांचवें विकेट के लिए 87 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। हालांकि मिताली ने एक छोर संभाले रखा और इस बीच उन्होंने स्कोर बोर्ड भी चलायमान रखा। रीमा ने दूसरे छोर से विकेट गिरने का क्रम रोककर भारत को किसी तरह के संकट में नहीं पड़ने दिया। पाकिस्तान को इस तरह से टूर्नामेंट में चौथी हार झेलनी पड़ी। उसने लीग चरण में ग्रुप बी के अपने सभी मैच गंवाये थे। इससे पहले भारतीय टीम ने पाकिस्तान के दोनों सलामी बल्लेबाजों को 11 ओवर के अंदर ही पवेलियन भेज दिया था। उस समय स्कोर बोर्ड पर सिर्फ 28 रन टंगे थे। आबिदी ने हालांकि इसके बाद मोर्चा संभालते हुए बिमाह मारूफ (15) के साथ 32 रन जोड़े। उन्होंने डार के साथ भी 80 रन की साझेदारी की। आबिदी ने अपनी पारी में 113 गेंद की पारी में पांच चौके लगाए। गोस्वामी की गेंद पर तिरूष कामिनी ने उन्हें पवेलियन भेजा। यह साझेदारी टूटने के बाद पाकिस्तान आखिरी ओवरों में रनगति नहीं बढ़ा सका। भारत के लिए एकता बिष्ट ने भी एक विकेट लिया लेकिन 9 ओवर में उसने 50 रन दिये।

होंडूराम में अमेरिकी खिलाड़ी विश्व क्वालीफाइंग फुटबॉल में हार के बाद निराशा प्रकट करते हुए।

अमर ज्वाला

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार साथी द्वारा डॉट लाइन आफ्सेट प्रेस, गोविंद नगर, सहारनपुर से मुद्रित एवं 526-बी, रेलवे कालोनी, चंद्र नगर, सहारनपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

संपादक

राजकुमार साथी

+91-9412133665
+91-8273951528

Email: amarjwala2012@gmail.com, amarjwala2012@yahoo.com

समस्त विवाद सहारनपुर न्यायालय के अधीन ही होगें।

R.N.I.No.UPHIN/2012/43069

पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी

प्रशासन को गुमराह कर रहे स्टोन क्रैशर !

पुराना स्टॉक पीसने की अनुमति लेकर कर रहे हैं अवैध खनन, बंद पड़े हैं हरिद्वार क्षेत्र के प्लांट, सहारनपुर में हो रहा संचालन

अमर ज्वाला ब्यूरो

बिहारीगढ़। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश आते ही अवैध खनन पर प्रतिबंध लगाने का सिलसिला शुरू हो गया। इसके पहले चरण में स्टोन क्रैशर प्लांटों को बंद कराया गया। ताकि अवैध खनन का माल वहां पिसने से रोका जा सके। मगर सहारनपुर के कुछ प्लांट प्रशासन को गुमराह करके अवैध खनन को जारी रखे हुए हैं। इन लोगों ने पुराना स्टॉक पीसने की अनुमति ले रखी है, मगर उसकी आड़ में 'अवैध' का खेल चलाया जा रहा है। सहारनपुर और हरिद्वार की सीमा से सटे क्षेत्र में बहती नदियों के किनारे ही ज्यादातर स्टोन क्रैशर प्लांट लगाए गए थे। माननीय सर्वोच्च न्यायालय का आदेश आते ही हरिद्वार प्रशासन ने तो सख्ती से काम लेते हुए अपने क्षेत्र के सभी स्टोन क्रैशर प्लांटों को बंद करवा दिया। मगर सहारनपुर के सीमावर्ती गांव सुंदरपुर में मोहंडरो नदी के पास के चार प्लांट अभी भी चोरी-छिपे चल रहे हैं। दरअसल इनके संचालकों ने प्लांटों पर जमा पड़े पुराने स्टॉक को पीसने की अनुमति प्रशासन से ले रखी है। ताकि उक्त माल को खत्म करके वे लोग यहां से पैकअप कर सकें, मगर इसी अनुमति की आड़ में अवैध खनन का खेल जारी है। क्षेत्र के लोगों के मुताबिक इन प्लांटों के संचालक रात के समय हरिद्वार के इलाके में पड़ती मोहंडरो नदी से जेसीबी मशीन लगवाकर खनन करवा रहे हैं। बाद में ट्रैक्टर-ट्रालियों की मदद से इस माल को प्लांट तक पहुंचाया जाता है और रात के ही इन प्लांटों को चलाकर उसे पीसा जाता है। अगर कोई टीम सूचना मिलने पर वहां पहुंच जाती है तो यह लोग उसे पुराना स्टॉक पीसने की अनुमति दिखा देते हैं। लेकिन करीब एक साल बीत जाने के बावजूद इन प्लांटों का स्टॉक कम नहीं हो रहा। जबकि यह प्लांट अक्सर रात के समय चलते रहते हैं। खनन चूंकि हरिद्वार क्षेत्र में हो रहा है, इस लिए बेहट तहसील के एसडीएम उस तरफ कोई कार्रवाई नहीं कर पाते। एक बार बेहट के एसडीएम निरीक्षण करते समय मोहंडरो नदी तक पहुंच गए थे और उन्होंने वहां खनन भर रही दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को पकड़ भी लिया था, मगर जब उन्हें पता चला कि यह क्षेत्र हरिद्वार का है तो वे बिना कार्रवाई के वापस लौट आए थे। जबकि हरिद्वार प्रशासन जांच कराने की बात कहकर पल्ला झाड़ लेता है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि हरिद्वार प्रशासन पर राजनीतिक दबाव पड़ रहा है। इसी वजह से उस तरफ होने वाला अवैध खनन नहीं रुक पा रहा और इसके चलते इन प्लांटों पर पड़ा स्टॉक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। लोगों ने प्रशासन से इस तरफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

रायल्टी के करिंदों पर तानी रिवाल्वर

सहारनपुर। अवैध रूप से चल रहे स्टोन क्रैशर प्लांटों के संचालक रायल्टी ठेकेदार को निर्धारित सरकारी फीस भी नहीं दे रहे। रायल्टी की मांग करने पर एक प्लांट के संचालक ने तो ठेकेदार के कारिंदों पर रिवाल्वर तक तान ली थी। घटना चार दिन पुरानी है। प्लांट से पाल लोड करके जा रही गाड़ी को रायल्टी ठेकेदार के कारिंदों ने बिहारीगढ़ में बुग्गावाला रोड पर रोक किया। दोनों गुटों में बहस हुई तो प्लांट का संचालक भी मौके पर पहुंच गया। बताया जा रहा है कि प्लांट मालिक ने अपना रिवाल्वर निकालकर रायल्टी ठेकेदार के कारिंदों पर तान ली। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत किया। ठेकेदार ने इस बाबत कोई तहरीर नहीं दी। इस कारण इसमें किसी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। ठेकेदार ने घटना की पुष्टि तो की, लेकिन इसके आगे कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। बताया जा रहा है कि जिस प्लांट संचालक ने रिवाल्वर तानी है, उस पर पहले भी रायल्टी को लेकर गोली चलाने का मुकदमा पुलिस में दर्ज हुआ था, उस वक्त भी दोनों पक्षों में समझौता होकर मामला रफा-दफा कर दिया गया था।

जनमंच के कार्य की प्रगति देखने पहुंचे नगरायुक्त

ठेकेदार को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश, हाल के रंगों पर भी हुई चर्चा

अमर ज्वाला ब्यूरो

सहारनपुर। जनमंच की कायाकल्प करने को चल रहे कार्य की प्रगति देखने के लिए नगरायुक्त डा. नीरज शुक्ला शुक्रवार की दोपहर हाल में पहुंचे। उन्होंने वहां हो रहे कार्य संबंधी ठेकेदार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान हाल की दीवारों व कुर्सियों के रंगों को लेकर भी चर्चा हुई।

दिसंबर के अंतिम सप्ताह में जनमंच की कायाकल्प करने के लिए काम शुरू किया गया था। 1970 में निर्मित इस हाल की इतने बड़े स्तर पर पहली बार रिपेयर हो रही है। जिसके लिए शासन ने 45 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। हाल के साथ ही पहली मंजिल पर खाली पड़ी गैलरी को आर्ट गैलरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसमें एक मार्च को पहली पेंटिंग्स प्रदर्शनी लगाई जानी है। कलेक्ट्रेट परिसर में हुई वीडियो कांफ्रेंस के बाद नगरायुक्त सीधे जनमंच हाल पहुंचे। उन्होंने हाल में चल रहे कार्य का जायजा लिया। काम की निगरानी के लिए तैनात निर्माण विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बालकॉनी में लगी सभी कुर्सियां ठीक की जा चुकी हैं। जबकि नीचे हाल में कुर्सियों को रिपेयर करने का काम चल रहा है।

जनमंच देखरेख कमेटी के सदस्य प्रवेश धवन ने बालकॉनी की बाउंड्री वॉल पर स्टील का ऐंगल लगवाने की सलाह दी। ताकि बालकॉनी में भीड़ होने की स्थिति में या धक्का-मुक्की होने पर कोई व्यक्ति नीचे न गिर सके। हाल की दीवारों और कुर्सियों पर होने वाले रंग संबंधी मांगी गई सलाह पर बताया गया कि दीवार के ऊपर के हिस्से पर आफ व्हाइट और कुर्सियों पर टाइलों से मिलता-जुलता रंग लगाया जाए। क्योंकि कुर्सियों पर लाइट कलर करने से उसके जल्दी मैला होने की संभावनाएं बनी रहती हैं। नगरायुक्त ने बिजली वायरिंग की व्यवस्था को दुरुस्त करने और छत से टपक रहे पानी को गंभीरता से बंद करने को कहा। उन्होंने कहा कि हालांकि बाकी की छत अब टपकनी बंद हो चुकी है, लेकिन हाल के अंदर दो-तीन प्वाइंटों से अभी भी पानी गिर रहा है। नगरायुक्त ने आर्ट गैलरी में चल रहे काम के बारे में पूछा, जिस पर ठेकेदार ने बताया कि एक मार्च से पहले वे इसे तैयार करके दे देंगे।

एसडीओ मारपीट प्रकरण : पुलिस कार्रवाई करे तो किस पर?

सांप के मुंह में छछूंदर वाली हालत में है बिहारीगढ़ थाना पुलिस, सीधे तौर पर न एसडीओ को अरेस्ट कर सकती है, न एमएलसी को

सुदेश कुमार

सहारनपुर। शिवालिक वन प्रभाग की मोहंड रेंज के साथ मारपीट के बाद दर्ज हुए क्रास केस को लेकर थाना बिहारीगढ़ पुलिस की हालत सांप के मुंह में छछूंदर जैसी बन गई है। अगर वह एसडीओ के खिलाफ कार्रवाई करती है तो वनकर्मी तुरंत हड़ताल पर चले जाएंगे और सत्ता पक्ष के एमएलसी पर कार्रवाई करना उसके बूते के बाहर की बात है। 21 जनवरी की शाम शिवालिक वन प्रभाग के एसडीओ वीके चौधरी ने वन से काटी गई खैर की लकड़ी को ले जा रही डीसीएम को पकड़कर उसके चालक व अन्य सहयोगी को थाना बिहारीगढ़ की पुलिस को सौंपा और पकड़ी गई गाड़ी को मोहंड रेंज की चौकी पर लेजाकर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई कर दी। आरोप है कि गाड़ी में पकड़े गए लोगों के समर्थन में सत्ता पक्ष के एमएलसी उमर अली खान के नेतृत्व में पहुंचे सैकड़ों लोगों ने पहले थाने में बंद कराए गए दोनों आरोपियों को मुक्त कराया। बाद में वे सीधे मोहंड रेंज की चौकी पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने एसडीओ वीके चौधरी की पिटाई की और पकड़ी गई गाड़ी को खाली करके वहां से लेकर चले गए। पुलिस की ओर से पकड़े गए आरोपियों को छोड़ने और पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने पर वन विभाग के कर्मचारी हड़ताल करके धरने पर बैठ गए। मामला ने राजनीतिक तूल पकड़ा और इसमें जल्द समझौता कराने की भूमिका तैयार करके दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रास मुकदमा दर्ज कर लिया गया। मुकदमा दर्ज करने में भी पुलिस ने अजीब खेल खेला। पिटने वाले एसडीओ का मुकदमा बाद में और लकड़ी के साथ पकड़े गए लोगों की तहरीर पर सुनवाई पहले हुए। ताहिर की तहरीर पर जहां एसडीओ वीके चौधरी, उनके ड्राइवर बलबीर, गार्ड किरपाल व चौकीदार रमेश के खिलाफ धारा 392, 307, 323, 504 व 506 आईपीसी के तहत मुकदमा लिखा गया है। वहां एसडीओ की तहरीर पर विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) उमर अली खान, गांव कोठड़ी बहलोलपुर निवासी मुन्नू मियां, नौमान व ताहिर को नामजद करते सौ के करीब अन्य अज्ञात लोगों पर धारा 342, 353, 323, 504, 506 व 427 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर किया गया। 23 जनवरी की रात को दर्ज किए गए इस मुकदमे में पुलिस ने फिलहाल तक कोई कार्रवाई नहीं की है। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण पुलिस की हालत सांप के मुंह में छछूंदर जैसी बनी हुई है। अगर वे हत्या प्रयास व लूट में आरोपी बनाए गए एसडीओ को गिरफ्तार करते हैं तो वनकर्मी हड़ताल करने को तैयार बैठे हैं। दूसरी तरफ एमएलसी को गिरफ्तार करने की बात भी बिहारीगढ़ पुलिस सोच नहीं सकती। हालांकि जांच कर रहे दारोगा रणपाल सिंह का कहना है कि पुलिस अपना काम कर रही है। मामले के नामजद आरोपी और सभी गवाह फिलहाल फरार चल रहे हैं। एमएलसी बाहर गए हुए हैं। उधर पुलिस के सूत्रों का कहना है कि वह इंतजार कर रही है कि दोनों पक्ष इस मामले में या तो समझौता करा लें या फिर कोर्ट से जमानत करा लें। उधर वन विभाग के सूत्रों का कहना है कि इस मामले में समझौता करने के लिए राजनीतिक दबाव पड़ रहा है। लेकिन फिलहाल पीड़ित एसडीओ इस बारे में तैयार नहीं हो पा रहे हैं। संपर्क करने पर शिवालिक वन प्रभाग के डीएफओ आरआर गौतम का कहना है कि वे फिलहाल मेरठ से वापस लौट रहे हैं। सहारनपुर आने के बाद ही वे कुछ बता पाएंगे।

फरवरी में ही खर्च करें मनरेगा की राशि: मंडलायुक्त

मनरेगा के तहत होने वाले कार्यों की समीक्षा की, खर्च हुई राशि का जानकारी भी दी

अमर ज्वाला ब्यूरो

सहारनपुर। मण्डलायुक्त सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने जिस विभाग को अपनी योजनाओं के लिए धनराशि की जरूरत है,वह शासन से मांग ले और प्राप्त धनराशि को फरवरी माह में ही खर्च करे।

सर्किट हाऊस में महात्मा गांधी नेशनल रोजगार गारंटी एक्ट (मनरेगा) से संबंधित अधिकारियों की बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि मनरेगा के तहत मण्डल में 31.23 लाख मानव दिवस के सृजन का लक्ष्य रखा गया। जिसके विपरीत 12.02 लाख मानव दिवसों का सृजन किया जा चुका है। इसके तहत 65 हजार 352 परिवारों में से 55 हजार 965 परिवारों को लाभांवित किया जा चुका है। उक्त योजना के अंतर्गत 34.86 करोड की धनराशि में से 20.18 करोड रुपये खर्च किये जा चुके है। उक्त योजना के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा 29 कार्य किए जाने थे, जिनमें 14 पूर्ण हो चुके है और 14 पर कार्य चल रहा है। एक पर अभी कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है। इन पर 92.09 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

वन विभाग द्वारा योजना के अंतर्गत मण्डल में 155 कार्य कराने का लक्ष्य है। इनमें से पांच पूरे हो चुके हैं, 147 पर काम चल रहा है और तीन अभी शुरू नहीं हुए। सिंचाई विभाग के 170 कामों में से 23 अभी शुरू नहीं हुए, 128 पूर्ण हो चुके हैं और बाकी पर काम चल रहा है। इसके लिए उपलब्ध कराई गए 134.59 लाख रुपयों में से 104.78 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। कृषि विभाग की स्वीकृत योजनाओं पर अब तक 36.14 लाख में से 16.37 लाख रुपये खर्च हो चुके है। इसमें चार काम पूरे हो चुके हैं, 11 पर काम चल रहा है और तीन अभी शुरू नहीं हुए हैं। मण्डलायुक्त ने उद्यान, रेशम आदि विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्टेटमेन्ट ठीक कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि उनको मनरेगा में दिया गया पैसा खर्च नहीं होने पर शासन को लिखा जाएगा। इस योजना के तहत कराए जा रहे कामों में कमी पाये जाने पर 08 कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की गई है।जिलाधिकारी अजय कुमार सिंह ने कहा कि हैण्डपम्पों का रीबोर कराये जाने से पूर्व यह भी आंकलन किया जाये कि क्या यह मानकों के अनुरूप किये जा रहे हैं। जल निगम अपने निर्देशों के अनुसार ही कार्य करे।संयुक्त विकास आयुक्त राममोहन सक्सेना ने कहा कि जिलाधिकारी राम मनोहर लोहिया ग्राम योजना के अंर्तगत सभी लोगों को लाभांवित करने के प्रमाण पत्र सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से अवश्य प्राप्त कर लें। मण्डलायुक्त ने सामाजिक, आर्थिक, जाति पर आधारित जनगणना की डाटा फीडिंग की धीमी प्रगति पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि इसे फरवरी माह में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर एसके सिंह, जिलाधिकारी शामली पीके सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सहारनपुर शफक्कत कमाल, मुख्य विकास अधिकारी मुजफ्फरनगर रवीन्द्र गोडबोले सहित सभी मण्डलीय अधिकारी उपस्थित थे।

गैरहाजिरी पर स्पष्टीकरण मांगा

सर्किट हाउस में मनरेगा से संबंधित हुए मंडलीय बैठक में गैर हाजिर रहने पर मंडलायुक्त ने रेशम विभाग के सहायक निदेशक से स्पष्टीकरण मांगा है। मंडलायुक्त सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सहायक निदेशक रेशम से उनकी गैर हाजिरी के संबंध में स्पष्टीकरण लेने के साथ ही उनका वेतन रोकने की कार्रवाई की जानी चाहिए।

वन दारोगा के खिलाफ चार्जशीट की तैयारी

अमर ज्वाला ब्यूरो

सहारनपुर। शहर की आरा मशीनों के लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए फीस के तौर पर बीस लाख रुपये फरार हुए वन दारोगा के खिलाफ चार्जशीट जारी करने की तैयारी हो चुकी है। विभाग उसे डिसमिस करने से पहले उसके खिलाफ चार्जशीट तैयार करेगा। ताकि वह कानूनी दांव-पेंच के सहारे वापस नौकरी हासिल न कर सके। सामाजिक वानिकी के रेंजर संजय अग्रवाल ने उक्त दारोगा के खिलाफ 25 जनवरी को सदर थाना में मुकदमा भी दर्ज करा दिया है। इतना ही नहीं उसे ड्यूटी पर उपस्थित होने के लिए अंतिम नोटिस भी उसके घर के दरवाजे पर चस्पा किया जा चुका है। सामाजिक वानिकी विभाग में तैनात वन दारोगा देवेंद्र सिंह मूलरूप से मेरठ के किसी गांव का रहने वाला है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति करीब होने के कारण उसने शहर की आरा मशीनों के लाइसेंस रिन्यू करने के नाम पर 19 लाख 7 हजार 962 रुपये इकट्ठा किए और उन्हें विभाग में जमा कराने की बजाय अपने पास रख लिया। इसके बाद वह बिना बताए ड्यूटी से गैर हाजिर हो गया और तभी से लगातार गैर हाजिर ही चला आ रहा है। मामले का खुलासा तब हुआ जब विभाग ने आरा मशीनों को लाइसेंस रिन्यू कराने के लिए नोटिस जारी किए। इसके जवाब में आरा मशीन संचालकों ने विभाग को बताया कि वे कई माह पहले ही लाइसेंस नवीनीकरण की राशि वन दारोगा देवेंद्र सिंह को दे चुके हैं। इसके बाद विभाग ने देवेंद्र की खोज शुरू की, मगर वह नहीं मिला। उसने अपना मोबाइल फोन भी स्विच आफ कर लिया है। विभाग के लोग उसके घर भी जा चुके हैं, मगर वह वहां से भी फरार है। काफी प्रयास करने के बाद भी जब वह ड्यूटी पर वापस नहीं लौटा तो 25 जनवरी को सामाजिक वानिकी विभाग के क्षेत्राधिकारी संजय अग्रवाल ने उसके खिलाफ थाना सदर बाजार में मुकदमा पंजीकृत करवा दिया। अब विभाग उसे डिसमिस करने की सिफारिश शासन को भेजने की क्वायद में जुटा है। इससे पूर्व उसके खिलाफ चार्जशीट तैयार की जा रही है। ताकि जब वह डिसमिस हो जाए तो कानूनी दांव-पेंच का सहारा लेकर वह नौकरी दोबारा हासिल नहीं कर सके। इस मामले में थाना सदर बाजार की पुलिस तो अपनी कार्रवाई कर ही रही है, साथ ही विभाग ने भी अपने स्तर पर उसकी चार्जशीट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सामाजिक वानिकी की प्रभागीय निदेशक अदिति शर्मा का कहना है कि बार-बार नोटिस भेजने के बावजूद देवेंद्र ड्यूटी पर हाजिर नहीं हो रहा है। जिसके चलते उसे पैसे लेकर फरार होना ही माना जा रहा है। उसके खिलाफ सीधे तौर पर गबन का आरोप साबित हो रहा है। लिहाजा शासन को उसे डिसमिस करने की संस्तुति भेजने से पहले उसकी विभागीय चार्जशीट तैयार की जा रही है। ताकि नौकरी जाने के बाद उसे किसी तरह का कानूनी फायदा नहीं मिल सके।